जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 89 प्रभात कोटा, शनिवार 11 जनवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वेणुगोपाल हरियाणा में नई जाट ''लीडरशिप'' पनपाना चाहते हैं

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की जगह रणदीप सिंह सुरजेवाला को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त कर, इस पीढ़ी परिवर्तन की शुरुआत करना चाहते हैं

- स्वाभाविक ही है, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, इस पीढ़ी परिवर्तन के खिलाफ हैं और कांग्रेस के 37 विधायकों में से तीस पर हुड्डा का नियंत्रण है और यह ही स्थिति लोकसभा सदस्यों की है। हरियाणा के पाँच सांसदों में से चार हुड्डा कैम्प के हैं और इस कारण वेणुगोपाल की पीढ़ी परिवर्तन की योजना आसानी से क्रियान्वित होती नज़र नहीं आ रही है।
- पर, वेणुगोपाल भी हार नहीं मान रहे हैं तथा सुरजेवाला को हरियाणा का प्रदेशाध्यक्ष बनाने के प्रयास उन्होंने छोड़े नहीं हैं।
- पीढ़ी परिवर्तन के अलावा वे सुरजेवाला को कर्नाटक से हरियाणा इसलिए भी लाना चाहते हैं कि कर्नाटक एक धनाढ्य प्रदेश है, सुरजेवाला को वहाँ से हटाकर, वे अपने आदमी को कर्नाटक में प्रभारी नियुक्त करना चाहते हैं। जैसा कि विदित ही है, सुरजेवाला कर्नाटक के प्रभारी हैं।
- हुड्डा ने भी परोक्ष रूप से धमकी दे रखी है कि उन पर ज्यादा दबाव डाला गया, हरियाणा का प्रदेशाध्यक्ष का पद छोड़ने के लिये, तो वे पार्टी में विभाजन करा देंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जनवरी। हरियाणा कांग्रेस टकराव की ओर बढ़ रही है। पुराने जाट नेतृत्व की जगह नया नेतृत्व लाने की लड़ाई शुरु हो गई है। राज्य में हाल ही में हुये विधानसभा चुनावों में जीतकर आये 37 विधायकों में से 30 विधायक हरियाणा के सी.एल.पी. नेता भूपिन्दर सिंह हूडा के नियंत्रण में हैं। इसके साथ ही, पार्टी के 5 निर्वाचित लोकसभा सांसदों में से 4 सांसद हूडा के साथ हैं। इनमें हूडा के पुत्र दीपेन्द्र सिंह हूडा भी शामिल हैं।

समझा जाता है कि के.सी. वेणुगोपाल नये जाट नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को पी.सी.सी. अध्यक्ष बनाना चाह रहे हैं। इसका अर्थ यह होगा कि सी.एल.पी. नेता का पद किसी गैर-जाट नेता को मिलेगा।

इस बदलाव के पीछे वेणुगोपाल के दो उद्देश्य हैं। पहली बात तो यह है कि वे हरियाणा में नया नेतृत्व चाहते हैं तथा दूसरी और ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि वे उन्हें कर्नाटक से हटाना चाहते हैं, जो देश के सर्वाधिक सम्पन्न राज्यों में से एक है तथा उस पद पर वे अपने किसी खास व्यक्ति को लाना चाहते हैं।

सुरजेवाला ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा कर्नाटक प्रभारी हैं।

हूडा, परिवर्तन की इस माँग पर विचार करने के राजी नहीं हैं।

सूत्रों का कहना है कि हूडा ने यह संकेत दे दिया है कि अगर उन पर ज्यादा दबाव डाला गया तो वे पार्टी तोड़ने पर विचार करेंगे। यही कारण है कि विधानसभा चुनावों के बाद, कांग्रेस हरियाणा में पार्टी पदाधिकारी तथा पी.सी.सी. अध्यक्ष नियुक्त नहीं कर पाई है। ज्ञातव्य है कि कांग्रेस विधानसभा चुनावों में भाजपा से हार गई थी।

पुणे कोर्ट ने राहुल गांधी को मानहानि केस में जमानत दी

पुणे, 10 जनवरी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के को बड़ी राहत मिली है। पुणे की विशेष अदालत ने वीर सावरकर पर दिए गए बयान के मामले में उन्हें जमानत दे दी है। राहुल गांधी पुणे की विशेष अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। वीर सावरकर के ग्रैंड

- राहुल गांधी ने, ब्रिटेन में सावरकर के हिंदुत्व पर जो बयान दिया था उस पर सावरकर के पोते ने उन पर मानहानि का केस लगाया था।

नेफ्यू ने साल 2023 में राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर पर दिए एक बयान को लेकर मामला दर्ज कराया था। राहुल गांधी ने ब्रिटेन में वीर सावरकर के हिंदुत्व को लेकर एक बयान दिया था। इस बयान में, उन्होने सावरकर के हिंदुत्व पर टिप्पणी की थी और कहा था कि के बारे में सावरकर ने किताब में भी लिखा है। लेकिन सावरकर के परिवार के मुताबिक, जो बात राहुल गांधी ने कही थी, गलत थी। इसके बाद सावरकर के ग्रैंड नेफ्यू सात्यकि सावरकर ने पुणे की एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली भाजपा ने विरोध प्रदर्शन किया

भाजपा का कहना है कि केजरीवाल ने भाजपा पर फर्जी वोटर लाने का झूठा आरोप लगाया है

- प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल के आवास के पास लगे बैरिकेड्स तोड़ने की भी कोशिश की, पुलिस ने वॉटर कैनन से उन्हें रोका।
- केजरीवाल ने चुनाव आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज की है कि 15 दिसम्बर से 8 जनवरी के बीच तेरह हजार नए वोटर जुड़े हैं। भाजपा यू.पी. और बिहार से लोगों को लाकर फर्जी तरीके से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वा रही है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जनवरी। भाजपा की दिल्ली इकाई ने आज आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह विधानसभा चुनावों से पहले कथित रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार के मतदाताओं के रजिस्ट्रेशन से संबंधित झूठे दावे कर रही है।

विरोध प्रदर्शन करने वाले सैकड़ों लोग आप प्रमुख केजरीवाल के खिलाफ नारों वाली तख्तियाँ लिये हुये थे। इनमें से कुछ लोग केजरीवाल के आवास के पास सुरक्षा बैरिकेडिंग का अतिक्रमण करने की कोशिश करते हुये दिखाई दिये।

प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा व्यवस्था का अतिक्रमण करने से रोकने के लिये पुलिस ने वॉटर कैनन का प्रयोग किया।

चुनाव आयोग को की गई विधिवत् शिकायत में, केजरीवाल ने 15 दिसम्बर से 8 जनवरी के बीच 13,000 नये मतदाता के आवेदनों को लेकर चिंता व्यक्त की है।

चुनाव आयोग में शिकायत करने के बाद, मीडिया को संबोधित करते हुये, केजरीवाल ने कहा, ''इनमें से बहुत सारे वोटर उत्तर प्रदेश, बिहार तथा अन्य पड़ोसी राज्यों से लाये गये हैं, ताकि नकली वोटर रजिस्ट्रेशन किये जायें। यह गड़बड़ी चुनाव प्रक्रिया को क्षति पहुँचाने वाली है। 70 सदस्यों वाली दिल्ली विधानसभा के लिये चुनाव 5 फरवरी को होगा तथा 8 फरवरी को मतगणना के बाद, परिणामों की घोषणा की जायेगी।

'गलतियां होती हैं, मैं इंसान हूं, भगवान नहीं'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले पॉडकास्ट इन्टरव्यू में गुजरात कार्यकाल को याद करते हुए कहा

- प्रधानमंत्री ने जीरोधा के संस्थापक निखिल कामथ के साथ हुई बातचीत में अपने लम्बे राजनीतिक जीवन के अनुभव को भी साझा किया।
- प्रधानमंत्री ने युवाओं से राजनीति में आने की अपील की और कहा कि वे इस मिशन के तौर पर लें।

नयी दिल्ली, 10 जनवरी। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा, गलतियां होती हैं, मैं इंसान हूं, भगवान नहीं। मोदी ने अपने पहले पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री के रूप में अपने अलग-अलग कार्यकाल के बारे में पूछे जाने पर, जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामत के साथ एक पॉडकास्ट में कहा, गलतियां होती हैं, मैं इंसान हूं, भगवान नहीं।

उन्होंने कहा, पहले कार्यकाल में, लोग मुझे समझने की कोशिश कर रहे थे और मैं दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहा था। दूसरे कार्यकाल में, मैं अतीत के दृष्टिकोण से सोचता था। तीसरे कार्यकाल में, मेरी सोच बदल गयी है, मेरा मनोबल ऊंचा है और मेरे सपने बड़े हो गये हैं।

प्रधानमंत्री ने आज यह टिप्पणी कामथ की पॉडकास्ट श्रृंखला 'पीपल बाय डब्ल्यूटीएफ' में अतिथि के रूप में उपस्थित होने के दौरान की। जब उनसे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके पुराने भाषणों के बारे में पूछा गया, तो प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, मैंने कुछ असंवेदनशील तरीके से कहा था। गलतियां होती हैं। मैं इंसान हूं, भगवान नहीं।

पॉडकास्ट में मोदी ने युवा लोगों के राजनीति में आने की वकालत की, इस बात पर जोर दिया कि उन्हें महत्वाकांक्षा के साथ नहीं, बल्कि एक मिशन के साथ राजनीति में आना चाहिये।

उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका ध्यान सरकारी योजनाओं का जनता तक शत-प्रतिशत पहुंचना सुनिश्चित करने के लिये समाधान खोजने पर रहेगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, मैं 2047 तक विकसित भारत के लिये सभी समस्याओं का समाधान चाहता हूं। सरकारी योजनाओं की शत-प्रतिशत डिलीवरी होनी चाहिये। यही वास्तविक सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता है। इसके पीछे प्रेरक शक्ति एआई आकांक्षी भारत है।

सार्वजनिक जीवन की व्यापक चुनौतियों की चर्चा करते हुये मोदी ने स्वीकार किया कि असहमति हर क्षेत्र में आम है, चाहे वह परिवार हो, कार्यस्थल हो या राजनीति। उन्होंने सार्वजनिक सेवा में संवेदनशीलता के महत्व पर जोर देते हुये कहा कि सहानुभूति के बिना कोई वास्तव में दूसरों के कल्याण के लिये काम नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थानी भाषा में शिक्षा पर नोटिस जारी किये

नयी दिल्ली, 10 जनवरी। राजस्थान के प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को राजस्थानी भाषा में देने के मामले में शिक्षा सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया हैं। पद्म मेहता नाम के व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिसमें मेहता ने राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने कहा कि राजस्थानी भाषा राजस्थान में 4 करोड़

- अदालत में पेश याचिका में बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा दिलवाने की माँग की है।

से अधिक लोग बोलते हैं, लेकिन प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को शिक्षा राजस्थानी भाषा में नहीं दी जा रही है

याचिकाकर्ता ने कहा कि बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में यह प्रावधान है कि बच्चों को, जहां तक संभव हो, मातृभाषा में शिक्षा उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। वहीं नई शिक्षा नीति 2020 में भी यह प्रावधान किया गया है कि बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा दी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ई-सिगरेट की बिक्री रोकने के लिये क्या कर रही है पुलिस?'

हाईकोर्ट ने अगली तारीख पर इन मामलों की जाँच कर रहे अधिकारी को उपस्थित रहने के आदेश दिये

- याचिकाकर्ता प्रियांशा गुप्ता, जिसने 2022 में यह मामला दर्ज किया था और जब वो खुद वकालत पढ़ रही थीं और चौथे वर्ष की छात्रा थीं, ने कम-से-कम 13 वैबसाइटों का ब्यौरा दिया है, जहां ऑनलाइन ई-सिगरेट बिक रही हैं।
- इसके अलावा याचिकाकर्ता ने कई आर.टी.आई. लगाईं, यह जानने के लिये कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया है, कितनी शिकायतें व एफ.आई.आर. दर्ज की हैं, कितने चालान पेश किये हैं इत्यादि। परंतु पुलिस प्रशासन ने इसका कोई भी ब्यौरा नहीं दिया और कहा कि वे इसका कोई रिकॉर्ड नहीं रखते हैं। इससे जाहिर होता है पुलिस ने कभी कोई कार्यवाही नहीं की है।

जयपुर, 10 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में ई-सिगरेट की ऑनलाइन बिक्री रोकने के उपायों पर असंतोष जाहिर किया है। इसके साथ ही, अदालत ने पुलिस मुख्यालय को दो सप्ताह में शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि ई-सिगरेट की बिक्री से संबंधित ऑन लाइन प्लेटफॉर्म के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। चीफ जस्टिस (सी.जे.) एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश प्रियांशा गुप्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ताकर्ता प्रियांशा गुप्ता ने 2022 में यह मामला दर्ज किया था, तब वे खुद लॉ के चौथे वर्ष की छात्रा थीं, अब वे अधिवक्ता हैं। उन्होंने अपनी याचिका में कहा है कि केन्द्र सरकार ने साल 2019 में कानून लाकर ई-सिगरेट के निर्माण, आयात, बेचान और वितरण पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद, प्रदेश में ई-सिगरेट आसानी से मिल रही है। कई जगह नाबालिग खुले आम इसका सेवन करते नजर आते हैं, जिससे साबित है कि राज्य सरकार कानून के क्रियान्वयन में फेल हो गई है। याचिका में गुहार की गई कि कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को निर्देश दिए जाएं।

याचिका में कहा गया है कि फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स एक्ट-2006 के नियम कायदों के अनुसार भी, किसी भी वस्तु या खाद्य पदार्थ में तम्बाकू या निकोटिन का प्रयोग वर्जित है। पर ऑनलाइन ई- सिगरेट की बिक्री हो रही है और राज्य और पुलिस प्रशासन इसे रोकने में विफल हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह व्यापार इतना व्यवस्थित है कि गूगल पर ई-सिगरेट टाइप करते ही ऐसे कई वेबसाइट सामने आ जाती हैं, जो ऑनलाइन सिगरेट बेच रही होती हैं। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में ऐसी 13 वेबसाइटों का ब्यौरा भी दिया है, जो वर्तमान में कार्यरत हैं और ई-सिगरेट बेच रही हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि कई पान की दुकानों पर भी ई-सिगरेट मिलती हैं।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यह भी बताया कि 2019 में ई-सिगरेट की बिक्री पर बैन लगने के बाद, आर.टी.आई. के तहत यह जानकारी इकट्ठी करनी चाही कि, पहला : 2019 के बाद अभी तक राजस्थान में इस मामले पर कितने मुकदमें दर्ज किये हैं, दूसरा : इस मामले पर कितनी शिकायतें और एफ.आई.आर. और कितने चालान पेश हुए हैं, तीसरा : इस अपराध जुड़े मामलों में कितने लोगों पर मामले अदालतों में चल रहे हैं, कितने लोग दोषी करार दिये जा चुके है और कितने लोग बरी कर दिये गये हैं, चौथा : 2019 के कानून को लागू करने के लिये प्रदेश में क्या नियम कायदे और नोटिफिकेशन जारी किये गये हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प पहले अमरीकी राष्ट्रपति जिन्हें औपचारिक सजा सुनाई गई

नई दिल्ली, 10 जनवरी। अमेरिका की मैनहट्टन कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस में बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने उन्हें बिना शर्त छोड़ दिया। दोषी होने के बाद भी, डोनाल्ड ट्रंप जेल और जुर्माना दोनों से बच गए।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

- पॉर्न स्टार को चुप कराने के लिए पैसे देने के मामले में अदालत ने ट्रम्प को दोषी माना, किन्तु कोई सजा नहीं दी और बिना शर्त रिहा कर दिया।

को हश मनी मामले में शुक्रवार को औपचारिक रूप से सजा सुनाई गई, हालांकि न्यायाधीश ने कोई भी सजा देने से इनकार कर दिया। इसकी वजह से ट्रंप अब जेल की सजा या जुर्माने के डर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अश्विन अब अपना क्रिकेटिंग करियर खत्म होने पर, तमिलनाडु की राजनीतिक पिच पर ''बोलिंग'' करेंगे?

चेन्नई में एक जाने-माने प्राइवेट कॉलेज के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए ''हिन्दी भाषा'' पर सारगर्भित टिप्पणी कर राजनीतिक हल्कों में तहलका मचा दिया

- उन्होंने अपने भाषण से पहले श्रोताओं से पूछा, क्या आप मुझसे हिन्दी में सवाल पूछना चाहते हो?
- श्रोताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पुनः अश्विन ने फिर पूछा, ''तो क्या आप मुझसे अंग्रेजी में प्रश्नों का उत्तर चाहेंगे।'' फिर भी श्रोताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अश्विन ने फिर पूछा, ''क्या आप तमिल में मुझसे अपने प्रश्नों का जवाब चाहेंगे'', श्रोता, यह सुनकर झूम उठे।
- जनता का मूड भांपकर अश्विन ने तमिल में अपना भाषण दिया।
- भाषण के बाद, अश्विन ने सारगर्भित टिप्पणी की, ''हिन्दी राष्ट्रीय भाषा नहीं, केवल ऑफिशियल भाषा है, कुछ सरकारी काम करने की भाषा है।''
- जैसा कि विदित ही है, ''हिन्दी भाषा'' दक्षिण भारत में एक भारी उत्तेजना व राजनीति का मुद्दा है।
- 1960 के हिन्दी विरोधी आंदोलनों के कारण, कांग्रेस पर आरोप लगा कि कांग्रेस हिन्दी थोपने का प्रयास कर रही है, अंततोगत्वा कांग्रेस सरकार गिरी और उसके बाद आज तक तमिलनाडु में सत्ता में नहीं आ पाई है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जनवरी। क्रिकेटर आर. अश्विन, जिन्होंने हाल ही में टैस्ट क्रिकेट से सन्यास की घोषणा की है, ने राजनैतिक पिच पर एक अलग ही गुगली फेंकी और हिंदी भाषा की स्थिति पर अपना निजी तथ्यात्मक ऑब्ज़र्वेशन रखा।

सवाल यह है कि क्या अश्विन राज्य में राजनैतिक भविष्य तलाश रहे हैं। शायद नहीं, क्योंकि उनके करीबी लोगों ने इससे इन्कार किया है, पर हिंदी पर उनकी अप्रत्याशित टिप्पणी ने राजनैतिक हलकों का ध्यान खींचा है।

अश्विन की इस टिप्पणी ने कई हिंदी समर्थकों को भी आकर्षित किया है, जो हिंदी को राष्ट्र भाषा मानते हैं, पर सच्चाई यह है कि भारत में कोई राष्ट्र भाषा है ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी भाषा के मुद्दे पर विवाद हुआ था। पर जो लोग हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाना चाहते थे, उन्हें अंततः गैर हिंदी भाषी राज्यों, खासकर दक्षिणी राज्यों, के दबाव के आगे झुकना पड़ा।

क्रिकेटर अश्विन ने शुक्रवार को चेन्नई के एक प्राइवेट कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित करते समय यह पूछा कि क्या कोई स्टूडेंट उनसे हिंदी में सवाल पूछना चाहता है, फिर उन्होंने यही सवाल अंग्रेजी के लिए पूछा। दोनों बार पूरे कक्ष में शांति रही, फिर उन्होंने तमिल के लिए पूछा तो सभी ने एक साथ हाँ में जवाब दिया।

अपना भाषण शुरु करने से पहले अश्विन ने जानबूझकर यह चाल खेली। उन्होंने घोषणा की कि हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं है। हिंदी के उल्लेख पर छात्रों की प्रतिक्रिया देखकर वे बोले, मुझे लगता है कि मुझे यह कहना चाहिए कि हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा नहीं है, यह सरकारी भाषा है। हिंदी पर अश्विन की टिप्पणी से बहस छिड़ गई है।

तमिलनाडु, जहां 60 के दशक में भाषा विवाद ने उस समय तूल पकड़ा था, जब कांग्रेस नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कर दी थी, तब भारी आंदोलन शुरु हुआ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कड़ाके की ठंड से धूजा उत्तर भारत

- दिल्ली एन.सी.आर. यूपी, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, भारी कोहरे से भी जूझ रहे हैं।

नई दिल्ली, 10 जनवरी। दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में कोल्डवेव चलने से आम जनजीवन प्रभावित है। इसी बीच शुक्रवार को कोहरे की वजह से विज़िबिलिटी पर असर पड़ा। दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ यूपी, बिहार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में कोहरे का असर नज़र आया। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को कुछ जगहों पर हल्की बारिश के आसार हैं। ऐसे में ठंड के और बढ़ ने से इनकार नहीं किया जा सकता।

कड़ाके की सर्दी में कोहरे की दोहरी मार ने लोगों की मुसीबत बढ़ा दी। दिल्ली में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाए रहने के कारण विजिबिलिटी शून्य हो गई, जिससे हवाई और रेल परिचालन प्रभावित हुआ। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 100 से अधिक उड़ानें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

हरित महाकुम्भ के लिए 21 लाख लोगों को एक थाली-एक थैला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ को गंदगी मुक्त और प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए एक थाली-एक थैला अभियान शुरू किया है। संघ का मानना है इससे देश भर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का सन्देश प्रवाहित हुआ है। यह अभिनव अभियान मां गंगा को किसी भी तरह के कचरे से बचाकर पवित्रता बनाए रखने का प्रयास है। 45 दिन के महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में वहां भोजन आदि से 40 हजार टन प्लास्टिक कचरा निकलने की भी संभावना है। संघ का कहना है कि तीर्थयात्रियों के पास तक एक थाली और थैला पहुंचाया जाएगा तो महाकुंभ में कचरे को कम किया जा सकता है। एक थाली एक थैला अभियान चलाने के पीछे संघ की सोच है कि श्रद्धालुओं को डिस्पोजल बर्तनों में भोजन ना करना पड़े। महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहयोगी संस्था अखिल भारतीय पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की तरफ से आस्था के इस मेले में एक थाली एक थैला अभियान की देशभर में सराहना की जा रही है। महाकुंभ क्षेत्र में श्रद्धालुओं और संस्थाओं को स्टील की थाली व कपड़े से बने हुए थैले बांटे जा रहे हैं। संघ से जुड़े संगठन की तरफ से पूरे मेला क्षेत्र में अभियान चला कर 21 लाख से ज्यादा थालियां और करीब इतने ही थैले बांटे जाने हैं। इनमें से अधिकांश सामग्री महाकुम्भ में पहुँच गई है। संघ 13 जनवरी को महाकुंभ का शुभारंभ होने से पूर्व विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, संतों-महंतों तक पर्याप्त थाली और थैले पहुंचाने के अपने प्रयास में जुटा है ताकि श्रद्धालुओं को डिस्पोजल बर्तनों में भोजन नहीं करना पड़े। इससे गंदगी नहीं फैलेगी। यह थालियां और थैले देश भर से इकट्ठे किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ने थैले और थाली का यह अभियान इसलिए चलाया ताकि स्वच्छ और प्लास्टिक फ्री कुंभ की परिकल्पना साकार हो सके। गतिविधि से जुड़े हुए पदाधिकारियों के मुताबिक यूपी की योगी सरकार ने महाकुंभ को प्लास्टिक फ्री के तौर पर आयोजित करने का फैसला किया है। इसी के तहत महाकुंभ क्षेत्र में कपड़े के थैले बांटे जा रहे हैं। कपड़े के थैले होने पर लोग प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचेंगे साथ ही थाली साथ होने पर लोग उसे ही धोकर इस्तेमाल करेंगे। इसका एक बड़ा लाभ यह होगा कि कचरा इधर-उधर लोग नहीं फेंकेंगे। प्रयागराज महाकुंभ में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि कि यह मुहिम खासी चर्चा में है। लोग इस मुहिम की जमकर तारीफ कर रहे हैं और इसे सफल बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प ले रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के विभिन्न प्रांतों से एकत्र की गईं थालियों को महाकुंभ तक लाने का दायित्व देख रहे डॉ. अमित कहते हैं कि मेले या सार्वजनिक स्थल पर ऐसा सेवाकार्य कभी नहीं हुआ। हम 21 लाख थालियां और थैले वितरित करके इस अभियान को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराएंगे।

कचरा पूरी दुनिया के लिए एक वैश्विक समस्या है। भारत की बात करें तो आज घर घर में प्लास्टिक ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। कचरा में प्लास्टिक सबसे खतरनाक माना जाता है। प्लास्टिक कचरा से हर देश परेशान है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद हमारा फ्री प्लास्टिक का सपना पूरा नहीं हो रहा है और इसका एक मात्र कारण इसका सस्ता, टिकाऊ और हल्का होना है। पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध के बाद भी इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। हर जगह पॉलीथिन का उपयोग हो रहा है।

महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सरकारी और स्वैच्छिक संस्थाएं अपने अपने प्रयासों में जुटी है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए संतों के सर्वोच्च संगठन अखाड़ा परिषद ने भी महाकुंभ 2025 को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इस वर्ष स्नान के लिए निर्धारित प्रमुख दिनों पर महाकुंभ मेला क्षेत्र में पांच करोड़ श्रद्धालुओं एवं स्थायी रूप से 50 लाख कल्पवासियों के ठहरने का अनुमान है। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ की तैयारियों के साथ ही स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र में लाखों की संख्या में टॉयलेट और डस्टबिन भी लगाए जा रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साधने और सफल बनाने की दिशा में विशेष कार्य योजना तैयार कर उसके दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू किया गया है। सभी कार्य मिशन मोड पर शुरू किए जा चुके हैं, ताकि महाकुंभ 2025 का आयोजन न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक हो, बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वच्छता की दृष्टि से भी एक प्रेरक बन सके।

महाकुंभ में सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने के साथ ही उसके विकल्प के रूप में दोने-पत्तल, कुल्हड़, जूट एवं कपड़े के थैले आदि जैसे प्राकृतिक उत्पाद बड़े स्तर पर तैयार किए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए उत्तर प्रदेश के 28 जिलों सहित बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से महाकुंभ के दौरान मेला क्षेत्र में ही इन प्राकृतिक उत्पादों के स्टॉल लगाकर पूरे क्षेत्र में सप्लाई की जाएगी। प्रयागराज नगर निगम ने मेला क्षेत्र के दुकानदारों को भी प्राकृतिक उत्पादों का ही प्रयोग करने का निर्देश जारी किया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादों के प्रयोग की रोकथाम के लिए 250-250 के बैच में करीब 1800 गंगा सेवादूतों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ये गंगा सेवादूत महाकुंभ में स्वच्छता के साथ ही मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने में बेहद अहम भूमिका निभाएंगे। विशेष तौर पर ये सेवादूत शौचालय, सड़कों की सफाई व्यवस्था, टेंट सिटी का निरीक्षण करेंगे और किसी तरह की गंदगी या गड़बड़ी पाए जाने पर इन्फॉर्मेशन, कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सिस्टम के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही शहर में सभी पॉलिथीन बैग के थोक विक्रेताओं को भी पूरे शहर में पॉलिथीन की सप्लाई रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा प्रमुख स्नान अवधि के दौरान स्थानीय उद्योग अस्थायी रूप से बंद रहेंगे, ताकि गंगा घाटों की स्वच्छता एवं पवित्रता बनी रहे और लाखों भक्तों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित वातावरण तैयार हो सके।

कचरा पूरी दुनिया के लिए एक वैश्विक समस्या है। भारत की बात करें तो आज घर-घर में प्लास्टिक ने अपना कब्जा जमा लिया है। कचरा में प्लास्टिक सबसे खतरनाक माना जाता है। प्लास्टिक कचरा से हर देश परेशान है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद हमारा फ्री प्लास्टिक का सपना पूरा नहीं हो रहा है और इसका एक मात्र कारण इसका सस्ता, टिकाऊ और हल्का होना है। पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध के बाद भी इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। हर जगह पॉलीथिन का उपयोग हो रहा है। किराना सामान खरीदना हो या फिर सब्जी, फल हों या अन्य सामग्री, हर जगह अमानक स्तर की पॉलीथिन उपयोग की जा रही है। पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान प्लास्टिक कचरा से पहुंचता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का महाकुम्भ को प्लास्टिक फ्री करने का अभियान निश्चय ही देशवासियों के समक्ष एक प्रेरणादायी उदाहरण है। देश में लाखों की संख्या में सामाजिक संस्थाएं है जिन्हें संघ से प्रेरणा लेकर देश को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए मिलजुलकर प्रयास करने चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

लोगों का दिल जीत लेते हैं देवनानी

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी 77 वर्ष की आयु में भी निरन्तर सक्रिय रहते हैं

लगातार कार्य में व्यस्त होने के बाद भी राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के चेहरे पर कभी थकान की शिकन तक नहीं आती है बल्कि वे प्रत्येक यात्रा के बाद ऊर्जावान दिखाई देते हैं। विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद कार्य दिवसों पर यदि वे जयपुर में हैं तो विधानसभा प्रात: 10:15 बजे पहुँचेंगे और सांय 6:15 बजे ही विधानसभा के कार्यालय से अपने निवास पर लौटते हैं। अजमेर विधानसभा क्षेत्र में उनके कार्यक्रमों, समारोह, मुलाकातें, बैठकों की श्रंखला वाकई देखने लायक होती है।

उनके द्वारा प्रत्येक शनिवार व रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में किये जाने वाले अपार कार्यक्रम तो शायद कोई अन्य चुनाव आने के समय भी इतने कार्यक्रम नहीं करते होंगे। गरीब, दलित, असहाय, जरूरतमंद जो भी उनके पास पहुँच जाता है, उसकी मदद वे अवश्य करते हैं। यही कारण है कि उनसे मिलकर आने वाला आमजन कभी निराश होकर नहीं लौटता है और वे बहुत जल्द ही लोगों के दिल में अपना स्थान बना लेते है। अपने सरकारी निवास पर हो या विधानसभा उनसे मिलने वालों का तांता लगा ही रहता है। लोगों की आत्मीयता से मदद करके उन्हें बहुत अच्छा लगता है। प्रात: 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिदिन सक्रिय रहने वाले देवनानी बताते है कि एकादशी के दिन उनका जन्म होने के कारण उनकी जन्म तिथि 11 जनवरी की गई।

11 जनवरी, 1948 को राजस्थान की हृदयस्थली अजमेर में जन्मे, 1958 से राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ एवं 1972 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सक्रिय रूप से जुड़े वासुदेव देवनानी ने अपने राजनैतिक जीवन में निरन्तर पांच बार विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक, मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष रहकर प्रदेश की उल्लेखनीय सेवा कर रहे हैं। वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के रूप में वे लोकतन्त्र के सुदृढीकरण के लिए अनेक नवाचार कर रहे हैं। पेशे से शिक्षक रहे देवनानी स्वयं अनुशासन में रहते हैं और लोगों से भी वे अनुशासन की अपेक्षा रखते है। कई बार ये समारोह में निर्धारित समय पर आयोजकों से पहले पहुंच जाते हैं।

एम.बी.एम इंजीनियरिंग कॉलेज जोधपुर से इलेक्ट्रिकल विषय में बी.ई. की उपाधि प्राप्त करने वाले देवनानी ने विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर में प्राचार्य के रूप में सेवाएं प्रदान की है और 2023 में प्रथम बार 12वी विधानसभा (2003 से 2008) में अजमेर पश्चिम से विधायक निर्वाचित हुए। उसके पश्चात 2008 से 2013, 2013 से 2018 और 2018 से 2023 और दिसम्बर, 2023 में पुन: अजमेर उत्तर से देवनानी विधायक निर्वाचित हुए हैं।

देवनानी ने मई 2004 से दिसम्बर, 2008 तक राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, भाषा, भाषायी अल्पसंख्यक चिकित्सा एवं कृषि जैसे महवपूर्ण विभागों के राज्यमंत्री के रूप में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की है। चौदहवी विधानसभा के कार्यकाल के दौरान पुन:

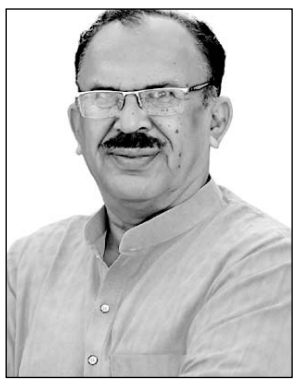

वासुदेव देवनानी

दिसम्बर, 2014 से दिसम्बर, 2018 तक प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्वतंत्र प्रभार एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के राज्यमंत्री के रूप में भी सेवाएं दी है।

तीन दशकों तक अध्यापन के क्षेत्र में सकारात्मक और सार्थक भूमिका में रहे वासुदेव देवनानी ने प्रकाशन और लेखन के क्षेत्र में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। देवनानी ने अनन्य एवं अनेक पत्र-पत्रिकाओं के साथ-साथ विभिन्न समाचार पत्रों में सारगर्भित आलेख लिखे हैं। शिक्षाविद् के रूप में पहचान रखने वाले देवनानी शिक्षा क्षेत्र की विशेषताओं व खामियों से भली-भांति परीचित है। देवनानी ने शिक्षा क्षेत्र की खामियों का निदान करने के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था में काउन्सिलिंग द्वारा पदस्थापन शाला दर्पण अपडेशन और स्टाफिंग पैटर्न जैसे महत्वपूर्ण सुधार किए।

सुदीर्घ संसदीय अनुभव रखने वाले देवनानी विधानसभा के कार्यकाल के दौरान प्राक्कलन समिति क प्राक्कलन समिति ख, विशेषाधिकार समिति, अधीनस्थ विधान संबंधी समिति, स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समितियों के सदस्य एवं सभापति भी रहे हैं। देवनानी ने इन समितियों के माध्यम से कार्यपालिका को विधायिका के प्रति उत्तरदायित्व बनाने के सिद्धान्त को परिपुष्ट किया है। 13वीं और 15वीं विधानसभा में प्रतिपक्ष के दायित्व का भी देवनानी ने बखूबी निर्वहन किया। क्षेत्रीय कार्य समिति, कपार्ट के सदस्य और रूरल डेवलपमेंट एवं रिकंस्ट्रक्शन एक्टिविटीज के देवनानी अध्यक्ष भी रहे।

सोलहवीं विधानसभा के गठन के उपरांत देवनानी 21 दिसम्बर, 2023 को राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए है। अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के बाद देवनानी ने विधानसभा कार्यप्रणाली के सुदृढ़ीकरण के प्रयास प्रारम्भ कर विधानसभा को पेपरलैस बनाने, नेवा प्रोजेक्ट को लागू करने, पर्ची व्यवस्था पुन: आरम्भ करने, कार्यवाही के दौरान भोजनावकाश देने का और सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक जैसे नवाचार करते हुए अनेक सुधारात्मक कदम उठाये है। विधानसभा में वाट्सअप चैनल, ई-बुलेटिन सहित कई नवीन सुविधायें भी देवनानी ने शुरू की है। विधानसभा में बने डिजिटल म्यूजियम का प्रसारित करने, इसकी विषयवस्तु को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिये परिवर्तन एवं परिवर्धन जैसे कदम उठाने के साथ-साथ विधानसभा जनदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत देवनानी ने की है। वर्तमान में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की कार्यकारिणी समिति के सदस्य पद पर देवनानी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मनोनित किया है।

जनवरी, 2024 में मुम्बई में आयोजित 64वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में देवनानी ने भाग लिया। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष देवनानी 3 से 8 नवम्बर, 2024 तक न्यू साउथवेल्स ऑस्ट्रेलिया में 674 राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्य करते हुए सम्मिलित हुए तथा पोस्ट स्टडी ट्यूयर के तहत इण्डोनेशिया, सिंगापुर और जापान की बाजारों की।

सनातन और राष्ट्र भावना से ओतप्रोत देवनानी लगभग 10 वर्ष की आयु में ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक बन गये तथा वर्ष 2000 में संघ के प्रान्त प्रचार प्रमुख बने। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष भी रहे है। समाजसेवी देवनानी राजस्थान सिंधी साहित्य समिति के अध्यक्ष, आरतीय सिंधु सभा के केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तथा सिंधी संगीत समिति के संरक्षक एवं सिंधी भाषा विकास समिति के मुख्य संरक्षक भी रह चुके है। देवनानी को वर्ष 2003 में सर्वोत्तम पॉलिटेक्निक अवार्ड, सिंधु गौरव अवार्ड तथा सिंधु रन अवार्ड से भी सम्मानित हुए है।

–डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा,
उप निदेशक, राजस्थान विधानसभा, जयपुर

बोर्ड परीक्षा से पहले राज्य के पांच हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों को प्रिंसिपल मिलने की उम्मीद

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल पदों की डीपीसी की तैयारी शुरू की

बीकानेर, (निसं)। 12वीं बोर्ड परीक्षा से पहले राज्य के पांच हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों को प्रिंसिपल मिलने की उम्मीद है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल पदों की डीपीसी की तैयारी शुरू कर दी है। शिक्षा निदेशालय ने प्रिंसिपल पदों पर वर्ष 2023-24 की डीपीसी के लिए 5551 वाइस प्रिंसिपल की पात्रता सूची जारी कर दी है। अब शिक्षा निदेशालय से जल्द ही डीपीसी के प्रस्ताव आरपीएससी को भिजवाए जाएंगे।

आरपीएससी से डीपीसी की तिथि निर्धारित होने के बाद पात्र वाइस प्रिंसिपल का प्राचार्य पदों पर प्रमोशन होगा। प्रमोशन के बाद चयनित प्रधानाचार्य को काउंसलिंग के जरिए स्कूलों में पोस्टिंग दी जाएगी। संभावना जताई जा रही है कि यह प्रक्रिया जनवरी, फरवरी में पूरा हो सकती है। जानकारी के अनुसार वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रिंसिपल के करीब सात हजार पद रिक्त चल रहे हैं। वर्ष 2023-24 की डीपीसी में करीब पांच हजार पद भरने की संभावना जताई जा रही है।

- **वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रिंसिपल के करीब सात हजार पद रिक्त चल रहे हैं**

उधर डीपीसी में विलंब को लेकर राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद उप प्राचार्य के पदाधिकारी संघर्षरत है। समय पर डीपीसी नहीं होने से नाराज रेसा, वीपी संगठन के पदाधिकारियों ने 13 जनवरी को शिक्षा निदेशालय पर एक दिवसीय धरने की चेतावनी दी है। वर्ष 2023-24 की डीपीसी से स्कूलों में प्रिंसिपल के 70 प्रतिशत भरने की संभावना है। प्रमोशन के बाद भी स्कूलों में 30 प्रतिशत पद खाली रहेंगे। शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल के करीब 17900 पद स्वीकृत हैं, जिसमें से सात हजार के लगभग रिक्त चल रहे हैं। डीईओ डीपीसी की भी तैयारी शिक्षा विभाग ने डीईओ डीपीसी की भी तैयारी शुरू कर दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से 1261 प्रिंसिपल की सूची जारी कर इनमें से एक जून 2002 को या इसके बाद दो से अधिक संतान होने वालों की सूचना ई मेल आईडी पर मांगी गई है। आदेश के अनुसार दो से अधिक संतान वालों की सूचना संकलित कर शासन को जिला शिक्षा अधिकारी तथा समकक्ष पदों पर 2023-24 व 2024-25 दो चयन वर्ष की डीपीसी के प्रस्ताव भिजवाए जाने हैं।

भीलवाड़ा में ''हरित संगम मेला'' शुरु

शहर में हजारों खिलाड़ियों ने ''खेल की रेल'' निकाली जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रही

भीलवाड़ा, (निसं)। अपना संस्थान एवं नगर निगम, भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में 10 जनवरी से 14 जनवरी तक स्थानीय चित्रकूट धाम अवधपुरी में आयोजित हरित संगम-2025 स्वच्छता पर्यावरण मेले का उद्घाटन शुक्रवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भगवान श्रीराम की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर एवं तुलसी माता को जल अर्पण कर किया। इसके बाद उन्होंने खेल की रेल को झंडी दिखाकर रवाना किया। रेल का नेतृत्व अर्जुन अवॉर्डी एवं पद्मश्री देवेंद्र झांझड़िया ने किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर नमित मेहता, नगर निगम महापौर राकेश पाठक, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, अपना संस्थान प्रांत सचिव विनोद मेलाना, मेला संयोजक राधेश्याम सोमानी, अपना संस्थान अध्यक्ष श्यामसिंह राठौड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी, उद्योगपति, नागरिकगण उपस्थित रहे।

अपना संस्थान के अंकुर बोरदिया ने बताया कि वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने हरित संगम मेले के उद्घाटन के बाद मेले में लगी विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने मुंबई से विशेष रूप से आई प्लास्टिक कचरा रीसाइकिल मशीन को देख उससे हाथोंहाथ निर्मित होने वाले उत्पादों की सराहना की। इसके बाद वे

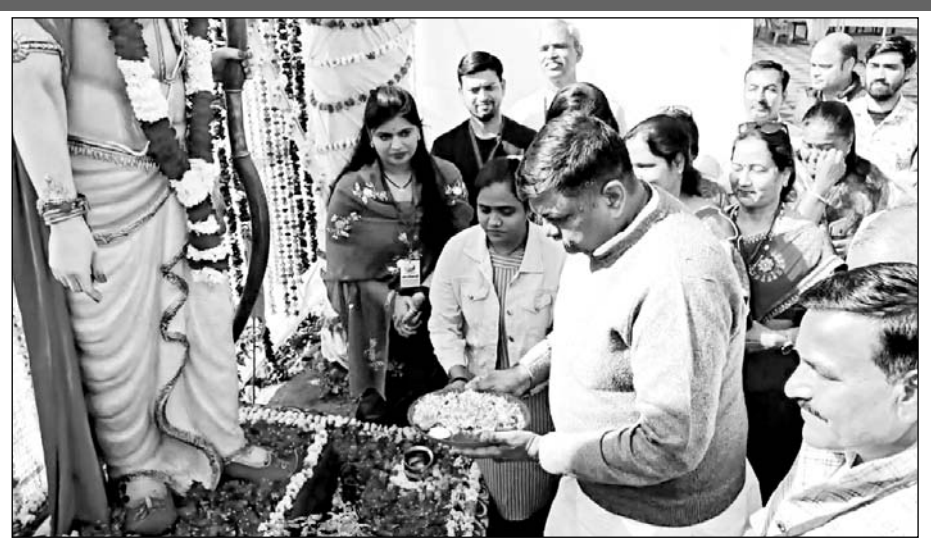

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भीलवाड़ा में हरित संगम मेले का उद्घाटन किया।

मेले में लगी स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए वे दस हजार पुष्पों से अधिक से सजे फ्लावर शो में पहुंचे और फूलों और प्लांट का कलेक्शन देख आयोजकों को बधाई दी। वन मंत्री इसके बाद शहर में निकली खेल की रेल में स्वयं ओपन जीप में सवार होकर शामिल हुए। हरित संगम मेले से पूर्व आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उप विजेताओं, टीम सदस्यों सहित 22 से अधिक खेलों से जुड़े भीलवाड़ा के हजारों खिलाड़ी खेल की रेल बनाकर अपने खेल का प्रदर्शन करते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे। यह रेल पुन: चित्रकूट धाम अवधपुरी पहुंच संपन्न हुई, जहां पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर मेला सहसंयोजक साधना मेलाना, राघव आचार्य आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेल की रेल के प्रारंभ से लेकर अंत तक 4 घोष दल कदमताल करते हुए बैंड वादन से सभी का मन मोह रहे थे। इसके अलावा रेल के प्रारंभ में 11 बैलगाड़ियों सहित 3 अश्व, एक कच्छी घोड़ी भी आकर्षण का केंद्र रही। शहर में पहली बार निकली इस अनूठी खेल को रेल को देखने की शहरवासियों में उत्सुकता रही। बैलगाड़ी यात्रा में भेरूलाल गुर्जर का विशेष योगदान रहा। खेल की रेल में भीलवाड़ा के 22 से अधिक खेलों से जुड़े खिलाड़ी शामिल हुए। क्रीड़ा भारती के राजेंद्र काबरा, रोशन देवपुरा, गोविंद स्वरूप पाठक, विश्वजीत सिंह आदि का खेल की रेल के आयोजन में विशेष योगदान रहा।

पर्यावरण एवं स्वच्छता जागरूकता का संदेश देने हेतु राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,सुभाषनगर एवं राजकीय महात्मा गांधी स्कूल, पुलिस लाइन के छात्र-छात्राओं ने शहर के मुख्य मार्गों से होकर एक विशाल पर्यावरण एवं स्वच्छता साइकिल रैली निकाली। इस अवसर पर साइकिल गतिविधि प्रभारी अरुण मुछाल, सुभाष नगर स्कूल प्रधानाचार्या उर्मिला जोशी, प्रदीप सांखला, सुरेश बम्ब, राजकुमार अजमेरा, राकेश सक्सेना आदि का सहयोग रहा।

हरित संगम मेले के आयोजित मांडना प्रतियोगिता में प्रथम सुमित गुर्जर, द्वितीय यशस्वी बाहेती रहे। निर्णायक ज्योति सोनी, विद्या सोनी रहे। विजेताओं को खंडेलवाल महिला मंडल के सहयोग से पारितोषिक प्रदान किए। चेयर रेस में प्रथम ज्योति खंडेलवाल, द्वितीय नमिता खंडेलवाल, प्रीति खंडेलवाल तृतीय रहे। सुई धागा प्रतियोगिता में युवकों में प्रथम अभिषेक खटीक, द्वितीय हर्षित साई, महिलाओं में प्रथम दीपाली नकवाल, द्वितीय खुशाली नकवाल रहे। इस अवसर पर खेल संगम प्रभारी मधु लोढ़ा एवं दिव्या बोरदिया, जिम्मी बाग़चार, नीलम कोठारी, पूनम जैन, रीना सिसोदिया, अरुणा पोखरना, आशा रामावत सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित रही। हरित संगम मेले के प्रथम दिन के अंतिम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुए।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 11 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र दिन 12:24 तक, शुक्ल योग दिन 11:48 तक, बालव करण प्रात: 8:22 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:55 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:29 तक है। आज शनि प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत है। आज त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:40 से 9:58 तक, चर 12:35 से 1:53 तक, लाभ-अमृत 1:53 से 4:29 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:48

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नवीन कारोबारी योजना का क्रियान्वयन होगा। कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

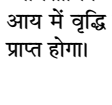

व्यावसायिक परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

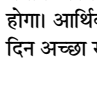

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु

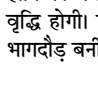

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

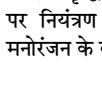

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कुंभ

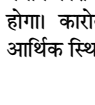

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

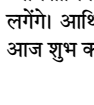

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जिला स्तरीय समितियों की त्रैमासिक बैठक में कलेक्टर ने आवश्यक निर्देश दिए

कोटा, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की योजनाओं के संचालन को लेकर जिला स्तरीय समितियों की त्रैमासिक बैठक शुक्रवार को जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में उनके कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में उप निदेशक सविता कृष्णिया ने सभी समितियों के कार्यों एवं प्रगति की जानकारी दी।

बैठक में नशा मुक्त भारत अभियान, भिखारियों और निर्धन व्यक्तियों के पुनर्वास, दिव्यांग जन अधिकार, माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, दहेज प्रतिषेध कानून, ट्रांसजेंडर अधिकार, अनुसूचित जाति जनजाति योजना, विशेष केन्द्रीय सहायता योजना, स्वधार गृह योजना, नवजीवन योजना, संबल ग्राम विकास योजना, अन्त्येष्टि अनुदान योजना, सिलिकोसिस पीड़ितों का कल्याण, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह, तथा अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर डॉ. गोस्वामी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रत्येक छात्रावास में जागरूकता अभियान नियमित रूप से संचालित किए जाएं।

इसमें सामाजिक संगठनों और जिला स्तरीय अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने 10वीं और 12वीं के छात्रों को छात्रावास में करियर काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। डॉ. गोस्वामी ने दिव्यांगजन पहचान पत्रों की ऑनलाइन प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश देते हुए एमबीएस अस्पताल अधीक्षक और सीएमएचओ से कहा कि तकनीकी समस्याओं का समाधान डीओआईटी के माध्यम से किया जाए।

ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सभी आश्रय स्थलों और छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने और कंबल एवं अन्य सामग्रियों की स्टॉक एंट्री के साथ उचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने संबल योजना और नवजीवन योजना के तहत समाज कल्याण से जुड़े विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में सुशीला देवी चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा नशा मुक्ति और एक्सीडेंट रोकथाम पर आधारित कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। बैठक में एमबीएस अस्पताल अधीक्षक डॉ.धर्मराज मीणा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जगदीश सोनी, लीड बैंक मैनेजर दिलीप कौर, स्काउट एंड गाइड से यज्ञदत्त हाड़ा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सार-समाचार

ग्रीन आर्मी ने शहर में 301 पौधे लगाए

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में ग्रीन आर्मी वेलफेयर सोसायटी द्वारा जगह-जगह पौधे लगाए जाने का अभियान निरंतर जारी है, इसी अभियान के तहत रावण चौराहा से आरके पुरम सर्किल तक 301 पौधे रोड साईड पर लगाए गए और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली गई। ग्रीन भारत संकल्प यात्रा में कार्यरत ग्रीन आर्मी वेलफेयर सोसायटी निरंतर अपने लक्ष्य की बढ़ रही है। सोसायटी की अध्यक्ष मंजू जैन ने बताया कि पूरे वर्षभर शहर में मुख्य मार्गों पर, पार्क में स्कूल, कॉलेज व अन्य जगह पौधे लगाए जाने का क्रम जारी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत पौधों को पेड़ बनने तक का संकल्प लिया जा रहा है, लोगों को जोड़ा जा रहा है साथ ही इनकी रक्षा करने, इनमें समय-समय पर पानी देने सहित कई तहर की जिम्मेदारियों सौंपी जा रही है। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न् प्रजातियों के छायादार पौधे लगाए गए। मंजू जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे वरदान होते हैं, यदि हमें भविष्य को सुरक्षित व स्वस्थ्य रखना है तो पौधारोपण आज की आवश्यकता है। पौधे ना केवल आमजन बल्कि पशु पक्षियों के लिए भी आवश्यक है। हमे फलदार पौधे भी लगाए चाहिए ताकी पक्षियों को भोजन मिल सकें। इस अवसर पर रितेश जैन, राम गोपाल शर्मा (सहकार विद्), नरेन्द्र गुप्ता, चेतन जैन, उमेश जैन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

अभिभाषक परिषद ने नववर्ष मिलन समारोह मनाया

कोटा, (निसं)। अभिभाषक परिषद कोटा की ओर से नववर्ष मिलन समारोह शुक्रवार को दाधीच गार्डन में आयोजित किया गया। समारोह में युवा वकीलों ने फिल्मी गीतों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। नववर्ष मिलन समारोह में युवा वकीलों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपनी कविताओं और गीतों को प्रस्तुत किया। अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष मनोज पुरी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास ने कहा कि नव वर्ष में वकील और न्यायिक अधिकारों के बीच संबंध मधुर रहे और नई बिल्डिंग का जो सपना है वह पूरा हो। अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश का माला पहनकर स्वागत किया। नववर्ष मिलन समारोह में न्यायिक अधिकारियों और वकीलों ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी।

'यज्ञ के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुंचाना होगा'

कोटा, (निसं)। कोटा में पहली बार 200 कुंडीय विशाल यज्ञ का ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। पतंजलि योग समिति, आर्य समाज कोटा, और शुभ संकल्प सेवा समिति के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में हरिद्वार से पधार रहे स्वामी यज्ञ देव मुख्य आचार्य के रूप में उपस्थित रहेंगे।

शुभ संकल्प सेवा समिति के अध्यक्ष ईश्वरलाल सैनी ने बताया कि शुक्रवार एक अहम बैठक आरकेपुरम में आयोजित की गई। 200 कुंडीय विशाल यज्ञ 12 जनवरी को प्रात: 10 बजे से गालव समुदायिक केंद्र गार्डन योग कक्षा प्रांगण में होगा, जिसके बाद 13-14 जनवरी को प्रात: 7 बजे से यज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।सैनी ने बताया कि इस अवसर पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा, रेडक्रॉस के स्टेट चौयरमेन राजेश बिरला एवं भाजपा से अनुसूया गोस्वामी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। इस दो दिवसीय यज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम में यज्ञ की सरल विधि और इसके वैज्ञानिक लाभों की जानकारी दी जाएगी। स्वामी यज्ञ देव ने कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए कहा, ष्यज्ञ का महत्व केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक भी है। कोटा जिला मुख्य संरक्षक ईश्वर लाल सैनी ने बताया कि यज्ञ के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यज्ञ न केवल व्यक्तिगत शांति का माध्यम है, बल्कि यह समाज और पर्यावरण के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी अरविंद पांडे, संयोजक प्रदीप शर्मा, जिला प्रभारी लक्ष्मण सोलंकी और महिला संरक्षक संतोष सैनी सहित सभी कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। आर्य समाज कोटा के अग्निमित्र शास्त्री, शोभाराम आर्य, चंद्रमोहन कुशवाहा, राकेश चड्ढा, मुकेश चड्ढा एवं राधाबल्लभ का इस आयोजन में विशेष योगदान रहेगा। इसके अतिरिक्त किशन आर्य, अरविंद टेलर, किरण टेलर, भावना शर्मा, रमेश शर्मा, वंदना राठौर, लक्ष्मी चंद्रावल, मनोहर लाल द्विवेदी, अरविंद आर्य, सपना आर्य, श्यामा, नेहा शर्मा, अल्पना, पवन तपादिया, जगदीश राठौर, राजेंद्र जैन एवं विष्णु खंडेलवाल बैठक में उपस्थित रहे जिन्हे कार्यक्रम की सफलता जिम्मेदारी सौपी गई है। कार्यक्रम न केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम बनेगा, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

13 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र का वितरण

एवं

31 हजार करोड़ रुपए के 76 हजार से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

राज्य स्तरीय समारोह

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विशिष्ट अतिथि
सुश्री दिया कुमारी
माननीया उप मुख्यमंत्री

श्री जोगाराम पटेल
माननीय संसदीय कार्यमंत्री

12 जनवरी, 2025 | प्रात: 11:00 बजे | बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर

निभाई जिम्मेदारी - हर घर खुशहाली
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

1.05 करोड़ की ठगी के तार बीकानेर से जुड़े, दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र के गांव 22 एमएल में एक व्यक्ति से 1 करोड़ 5 लाख 59 हजार 960 रुपए की सायबर ठगी के तार अब बीकानेर से भी जुड़ गए हैं। अब तक इस मामले में फ्रॉड राशि के जयपुर, सोनीपत और मध्यप्रदेश में बैंक खातों में ट्रांसफर होने की बात सामने आई थी और पुलिस ने इन तीनों जगह से 7 आरोपी भी गिरफ्तार कर लिए हैं।

जांच में इस मामले में बीकानेर के भी दो युवकों के शामिल होने की बात सामने आई है। दोनों युवकों ने फ्रॉड राशि के 4 लाख 33 हजार रुपए अपने खाते में जमा करवाए और बाद में इन्हें चेक के जरिए निकलवा लिया। इस फ्रॉड राशि के कई खातों में ट्रांसफर होने की बात सामने आ रही है। जांच के दौरान पुलिस को बीकानेर के दो युवकों के इस मामले से जुड़े होने का पता लगा तो बैंक डिटेल जुटाई गई। जांच में सामने आया कि बीकानेर के बंगलानगर के रहने वाले मोहम्मद तहरीर अली उर्फ फराहान पुत्र मोहम्मद बशीर अली और उसके साथी इमरान शेख पुत्र जबार अली ने अपने नाम से खाता खुलवाया और इसमें फ्रॉड की गई राशि के 4 लाख 33 हजार रुपए जमा करवा लिए। बाद में यह राशि चेक के जरिए निकलवा ली गई। पुष्टि होने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

चूनावढ़ थाना क्षेत्र के गांव 22 एमएल की जसविंद्र कौर ने पिछले साल 16 नवंबर को साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पति सोहन सिंह के फोन पर अज्ञात ने सीबीआई अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर बात की। कॉल करने वाले ने कहा कि सोहनसिंह के खाते में गलत तरीके से पैसा जमा हुआ है और उसके खिलाफ दिल्ली में मुकदमा दर्ज हुआ है। कॉल करने वाले ने कहा कि इस मामले में सोहनसिंह को सात साल की जेल होगी। इस पर दोनों पति-पत्नी घबरा गए। आरोपी ने पीड़ित को एक खाता नंबर दिया और उसमें रुपए जमा करवाने को कहा। आरोपी के कहने पर डर के कारण पीड़ित 1 करोड़ 5 लाख 59 हजार 960 रुपए आरोपी के खाते में जमा करवा दिए। इस मामले में इससे पुलिस ने सात आरोपी पकड़े थे। उन्हें जुडिशियल कस्टडी में भिजवा दिया गया है। पकड़े गए आरोपियों की संख्या अब नौ हो गई है।

ग्लोबल स्टोन टैक्नोलॉजी फोरम का इंटरनेशनल सेमिनार संपन्न

केंद्रीय किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने उद्योगों की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया

समापन सत्र को केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने संबोधित किया।

किशनगढ़। ग्लोबल स्टोन टैक्नोलॉजी फोरम के 10वें संस्करण का शुक्रवार को किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन सभागार में संपन्न हुआ। समापन सत्र में भारत सरकार के कृषि व किसान कल्याण राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी, राजस्थान सरकार के वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा, किशनगढ नगर निगम के चेयरमैन दिनेश सिंह, सीडोस के उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता और सीईओ मुकुल रस्तोगी, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन के संरक्षक अशोक पाटनी, राष्ट्रीय सचिव लघु उद्योग भारती, नरेश पारीक व प्रदेश उपाध्यक्ष नटवरलाल अजमेरा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल और सुधीर जैन, अध्यक्ष किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन शामिल थे।

- **विशेषज्ञों ने खनन स्वीकृति प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुधारों पर जानकारी प्रदान की**

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए गए "एक पेड़ माँ के नाम" मिशन का जिक्र किया और इसे प्रेरणादायक बताया। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 7 करोड़ वृक्षारोपण की पहल की सराहना की। साथ ही, उन्होंने किशनगढ़ औद्योगिक क्षेत्र की स्वच्छता को सराहा और इसे उद्यमियों की सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। उन्होंने डंपिंग यार्ड के लिए अतिरिक्त भूमि के आवंटन की घोषणा भी की। केंद्रीय किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने उद्योगों की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प को दोहराया। केंद्रीय राज्य मंत्री ने जानकारी दी कि किशनगढ हवाई अड्डे के विस्तार का कार्य जल्द ही पूरा होगा और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित किया जाएगा। अजमेर में 498 करोड़ की लागत से नए रेलवे स्टेशन के निर्माण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने ग्रेनाइट और मार्बल उद्योग पर जीएसटी दर को घटाने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय पत्रिका उद्योग टाइम्स के कौशल अंक का अतिथियों ने विमोचन किया।

दूसरे दिन के तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की :- प्रथम सत्र में "टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन-पायनियरिंग द फ्य ूचर ऑफ स्टोन्स" थीम पर आधारित इस सत्र में विल्बर इंपैक्स के एमडी अरुण शेट्टी, सम्राट केमिकल्स के हैरी सिदवानी और टेनेक्स इटली के तकनीकी विशेषज्ञ मेटियो वानी ने अपने प्रेजेंटेशन दिए। अरुण शेट्टी ने "रिकवरी एंड एडवांटेजेज ऑफ इपोक्सी सिस्टम ऑन नेचुरल स्टोन्स" पर चर्चा की। हैरी सिदवानी ने "अनलॉकिंग हिडन वैल्यू - कॉस्ट रिडक्शन एंड इनोवेशन थ्रू एडवांस स्टोन टेक्नोलॉजी" पर विचार रखे। माटियो वानी ने "प्रोसेसिंग ऑफ मार्बल ए ंड क्वार्टजाइट फ्रॉम क्वेरी टू स्लैब" विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। सत्र की अध्यक्षता लघु उद्योग भारती चित्तौड़ प्रांत के संयुक्त सचिव दीपक शर्मा ने की और संचालन सीडोज़ के मुकुल रस्तोगी ने किया।

दूसरे सत्र में इस सत्र में दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. विश्नोई ने "स्टोन इंडस्ट्री में मानकीकरण" पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो और मानकीकरण की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की। सत्र के स्पीकर्स का परिचय लघु उद्योग भारती की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू सिंह ने दिया और संचालन दीपक अजमेरा ने किया। इस सत्र में किशनगढ़ इकाई के अध्यक्ष उमेश गोयल और जयपुर अंचल के सदस्य उद्यमी संजय मोर भी उपस्थित थे।

अंतिम सत्र में खनन नीतियों और खनन क्षेत्र में पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने खनन स्वीकृति प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुधारों पर जानकारी प्रदान की। डायरेक्टर जनरल माइंस एंड सेफ़्टी के डॉक्टर आयी नारायणन ने माइंस सेफ़्टी के ऊपर जानकारी उपलब्ध कराई। दिनभर प्रतिनिधियों ने 24 स्टॉल का दौरा किया, जहां उन्नत मशीनरी, तकनीक और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई।

इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में सीडोस, रीको, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन, और लघु उद्योग भारती का योगदान सराहनीय रहा। जीएसटीएफ 2025 ने स्टोन उद्योग को नवाचार, तकनीकी विकास और निर्यात प्रोत्साहन के लिए एक मजबूत मंच प्रदान किया। इसने किशनगढ़ को स्टोन उद्योग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

डेढ़ किलो सोना, 22.49 लाख की नकदी पकड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर पुलिस ने डेढ किलो सोना और साढे 22 लाख की नकदी के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों बॉर्डर से पहले एक निजी बस से उतरे और पैदल बॉर्डर क्रॉस कर रहे थे। फिलहाल पुलिस युवकों से सोना और नकदी को लेकर पूछताछ कर रही है। मामला डूंगरपुर जिले के रतनपुर बॉर्डर का है।

- **उदयपुर से बस में आए तीन व्यक्ति बॉर्डर पर उतरकर पैदल गुजरात जा रहे थे, पुलिस ने की कार्रवाई**

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि गुरुवार देर रात को मुखबिर से सूचना मिली कि एक ट्रैवल्स बस के जरिए तीन युवक अवैध रूप से सोना और नकदी लेकर जा रहे हैं। इस पर पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक ट्रैवल्स बस से 3 युवक उतरकर पैदल जाने लगे। युवकों के पास एक थैला था। पुलिस ने तीनों युवकों की हरकतें संदिग्ध लगने पर रुकवाकर पूछताछ की। इस पर वे घबरा गए। पुलिस ने उनकी तलाशी ली। इस दौरान भारी मात्रा में सोना और ज्वेलरी के साथ नकदी मिली। थानाधिकारी ने बताया कि तीनों सोना और नकदी के बारे में कोई सही सवाब नहीं दे पाए।

इस पर पुलिस ने सोने और नकदी जब्त कर गिनती करवाई। करीब 1 किलो 478 ग्राम सोना और ज्वेलरी मिली है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड ३० लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं 22 लाख 49 हजार 817 रुपए का नकद भी मिला है। थानाधिकारी ने बताया कि बॉर्डर पर 3 युवकों से मिले सोना और ज्वेलरी के साथ नकदी को किसी ज्वेलर्स कारोबारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

पुलिस ने ज्वेलरी और कैश को लेकर डॉक्युमेंट मांगे, लेकिन तीनों के पास कोई डॉक्युमेंट नहीं मिले। पूरे मामले की जांच के बाद ही आगे का पता लग सकेगा। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सिरोही निवासी चंदूलाल पुत्र जैसा सैन, तेजराम पुत्र बाबाजी देवासी और अशोक पुत्र होबाराम मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे नकदी और सोने के बारे में पूछताछ की जा रही है। तीनों उदयपुर से बस से आए थे और बॉर्डर से पहले उतरकर पैदल गुजरात के लिए जा रहे थे।

दो करोड़ की स्मैक सहित तस्कर गिरफ्तार, कार जब्त

कोटा, (निसं)। रानपुर पुलिस टीम ने ऑपरेशन नश्वर अभियान के तहत नाकाबंदी के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 400 ग्राम स्मैक सहित तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई स्मैक की अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट में कीमत दो करोड़ रूपये बताई गई है।

- **पुलिस चौकी जगपुरा के समीप नाकाबंदी में कार में से 400 ग्राम अफीम जब्त की**
- **पकड़े गये आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है**

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिये शहर पुलिस द्वारा ऑपरेशन नश्वर अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत समस्त थानाधिकारियों को अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में रानपुर थानाधिकारी मांगेलाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में पुलिस चौकी जगपुरा के समीप नाकाबंदी कर झालावाड़ की ओर से आने वाले वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। वाहन चैकिंग के दौरान एक काले रंग की कार को रोककर चैक किया गया तो कार में चैकिंग के दौरान अवैध मादक पदार्थ 400 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

शहर एसपी ने बताया कि बरामद की गई स्मैक की आन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 2 करोड़ रूपये है। शहर एसपी ने बताया कि कार में से स्मैक बरामद होने पर पुलिस टीम ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए महुआ खो, थाना अकलेरा जिला झालावाड़ हाल रामनगर कॉलोनी जिला झालावाड़ निवासी रामलाल (33) को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

हेरिटेज वॉक के साथ ऊंट उत्सव का आगाज

बीकानेर। हेरिटेज वॉक के साथ शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव का आगाज हुआ। लक्ष्मीनाथ जी मंदिर से रामपुरिया हवेली तक आयोजित हुई हैरिटेज वाक में बीकानेर की स्थापत्य कला, व्यंजन और ललित कलाओं के विविध आकर्षक रंग देखने को मिले। हैरिटेज वॉक में देशी-विदेशी सैलानी, स्थानीय निवासियों सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बीकानेरी रंगों में सरोबार नजर आए।

इस दौरान जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर, निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीडीए सचिव अपर्णा गुप्ता, सीईओ सोइनलाल, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक अनिल राठौड़, सहायक निदेशक किशन कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी पवन शर्मा सहित अन्य पुलिस प्रशासन अधिकारियों ने इस वॉक में शिरकत की। इस अवसर पर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि बीकानेर की ऐतिहासिक विरासत हमारी साझी धरोहर है। इसके रंग पूरी दुनिया में पर्यटन मानचित्र पर बिखेरे हैं। इस उत्सव में आए सभी सैलानियों और स्थानीय प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कलेक्टर ने उनसे इस संस्कृति का हिस्सा बन कर इसे जीने का आव्हान किया। वॉक के दौरान लोक कलाकार पवन व्यास ने 2 हजार 25 फीट लंबी पगड़ी बांधकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान नगाड़ा, मश्क, चंग और बांसुरी वादन एवं भजन गायन की प्रस्तुतियां दी गई। देशी और विदेशी सैलानियों ने मथेरण, बंधेज, पोट्री, सुनहरी कलम और साफा बांधने की कला को करीब से देखा। इस दौरान लोक कलाकार, रोबीले और सजे-धजे ऊंट भी साथ रहे। भांडाशाह जैन मंदिर के पास हरियाणवी रागड़ी की प्रस्तुति दी गई। चूड़ी बाजार में लाख की चूड़ी बनाने, जूती बनाने, चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाने की कला को दर्शाया गया।

बीकानेर में उत्सव में हेरिटेज वॉक में विदेशी सैलानी शामिल हुए।

प्रतिभागियों ने भुजिया, घेवर और जलेबी बनाने की कला को करीब से देखा और बीकानेरी स्वाद का लुत्फ उठाया। मरूनायक चौक में ब्लॉक और स्क्रीन प्रिंटिंग का प्रदर्शित की गई। मोहता चौक के बड़े पाटे पर पारम्परिक भोजन बनाने का प्रदर्शन किया गया, जहां प्रतिभागियों को कचौड़ी और रबड़ी खिलाई गई। भपंग वादन का प्रदर्शन भी किया गया। लोक कलाकारों द्वारा गणगौर के गीत, कठपुतली का खेल दिखाया गया। हैरिटेज के रंगों को करीब से देख कर देशी-विदेशी पर्यटक रोमांचित नजरर आए।

ऐतिहासिक रामपुरिया हवेलियों के पास वॉक का समापन हुआ, जहां उस्ता कला, हवेली संगीत और कच्छी घोड़ी नृत्य नाटिका का मनमोहक प्रदर्शन ने प्रतिभागियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अन्तर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव की हैरिटेज वाक में सजे धजे रास्ते और सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत के रंगों के बीच सैलानी सेल्फी लेते दिखे। कई स्थानों पर स्थानीय निवासियों ने उत्सव में आए सैलानियों का फूल बरसा कर और माला पहनकर स्वागत किया। बीकानेर की इस अपनायत से सैलानी भाव विभोर नजर आए।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सानिवि नगर खण्ड बीकानेर

क्रमांक : 5366 दिनांक : 03.01.2025

Notice Inviting Bid : 42/2024-25

Bid for the "Construction of RUB at 321/9-10 Lalgarh Bikaner, Repair of Damaged CD Work Package No. RJ-08-01/East/CD Work/2023-24, Construction of new Room and Renovation work in District Statistical Office, Bikaner are invited from interested bidders from 03.01.2025 (9.30 AM) to 13.01.2025 (06.00 PM) & open date 14.01.2025 (11.00 A.M.), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp. rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procument is Rs. 222.80 Lakh.

Excutive Engineer
PWD City Division, Bikaner

UBN.No.PWD 2425WSOB 13464

DIPR/C/472/2025

कार्यालय विद्युत नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः-ननिको द./वि0/2025/1115-1120 दिनांक 09.01.2025

-: ई - निविदा सूचना :-

नगर निगम, कोटा दक्षिण द्वारा किसी भी सरकारी/अर्द्धसरकारी विभागों में निम्न कार्य को करनें वाले अनुभवी संवेदको से ई-निविदा पद्धती से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित राशि, निविदा बेचे जाने, प्राप्त करने, अन्य शर्ते एवं जानकारी निगम वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/nnks, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(अनुमानित राशि 49.84 लाख रूपये)

NIB Code - DLB2425A4809
UBN - DLB2425WSRC14737

अधिशाषी अभियंता (वि0)
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/10163

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2024-25/610 दिनांक 09.01.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 79/2024-25

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 28.96 लाख

UBN Number :- DLB2425WSOB14762

आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर

राज.संवाद/सी/24/10171

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/यंत्रालय/2025/374 दिनांकः- 07.01.2025

ई-बोली सूचना -12

बीकानेर नगर निगम के नगरीय क्षेत्र में सीवर लाईन एवं मशीनहॉल के ब्लॉकेज को खोलना एवं सीवर लाईन की प्लगिंग कर डी-सिल्टिंग कार्य हेतु नगर निगम की हाईपॉवर जेटिंग कम सुपर सकर मशीन एवं जेटिंग कम सक्सन मशीनों का बोली शर्तो अनुसाररख-रखाव एवं संचालन कार्य हेतु पंजीकृत फर्मो से ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ई-बोली आमंत्रित की जाती हैं। बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं नगर निगम की वेबवाईट www.bikanermc.org पर देखी जा सकती हैं।

कार्य की अनुमानित लागत - रूपये 330.00 लाख

UBN Number : DLB2425GLOB14763

आयुक्त
बीकानेर नगर निगम

राज.संवाद/सी/24/10167

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, इमेलः zcejz@jvvnl.org

ई- निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिजियक), पंचोली, जिला दौसा में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण और 33 केवी और 11 केवी इंटरकनेक्शन का निर्माण का कार्य सहायक अभियंता (प. व. स.), जेपीडी, सिकराय, जयपुर डिस्कॉम के दौसा सर्कल के अधिकार क्षेत्र में टीएन - 92 के तहत एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई - प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 15.01.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 27.01.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN: VVN2425WSOB01032
जेपीआर-2936 (2025)
राज.संवाद/सी/24/10185

संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/231-233 Date: 09-01-2025

अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या: 62/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ईं-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 112.81 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	10-01-2025 को प्रातः 10.00 बजे से 13-01-2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	10-01-2025 को प्रातः 10.00 बजे से 13-01-2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	14-01-2025 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ITU2425WSOB00428, ITU2425WSOB00429, ITU2425WSOB00430

अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/24/10176

राजस्थान सरकार

कार्यालय उपवन संरक्षक, सवाई माधोपुर

नर्सरी आलनपुर, सामान्य चिकित्सालय के पास, सवाई माधोपुर
E-mail : dcf.swmdpr.forest@rajasthan.gov.in

क्रमांक : 63 दिनांक : 3.1.2025

निविदा सूचना

राजस्थान राज्य के राज्यपाल की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यालय के अधीन वनक्षेत्र में विकास कार्य करवाया जाना है। उक्त कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सार्वजनिक निर्माण विभाग व राज्य सरकार के अधिकृत विभाग/संगठनों जो राज्य सरकार के सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष एवं इस तरह के निर्माण कार्यों के अनुभवी संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org,http://eproc.rajasthan.gov.in&www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	UBN
1.	Advance Work at Range Gangapur City	197.73	FOR2425WSOB03541
2.	Construction of Boundary Wall 1000 Meter at Range Bonli	30.50	FOR2425WSOB03543
3.	Advance Work at Range Bonli	93.13	FOR2425WSOB03542
4.	Polythene Bags NIT 22/2024-25	9.00	FOR2425WSOB03633

(श्रवण कुमार रेड्डी) I.F.S.
उप वन संरक्षक, सवाई माधोपुर

DIPR/C/388/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड जोबनेर

क्रमांक : अ.अ./खण्ड/जोबनेर/2024-25/1855/67 दिनांक : 02.1.2025

निविदा सूचना संख्या : 56-63/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड जोबनेर के अधीन उपखण्ड सांभर एवं उपखण्ड किशनगढ़-रेनवाल के अधीन विभिन्न कार्यों की निविदा संख्या 56-63/2024-25 के द्वारा आमत्रिंत की जाती है। निविदा संख्या 56-63/2024-25 दिनांक 13.01.2025 तक अपरान्ह 1.00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 13.1.2025 तक अपरान्ह 1 बजे तक अपलोड की जा सकेगी। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 13.1.2025 को अपरान्ह 2.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र व इससे संबंधित नियम व शर्ते विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखें जा सकते है।

1. www.eproc.rajasthan.gov.in 2. www.dipronline.org
3. SPPP Portal 4. Office ID : 41829

UBN

NIT-56/2024-25	PHE2425WSRC07970
NIT-57/2024-25	PHE2425WSRC07971
NIT-58/2024-25	PHE2425WSRC07972
NIT-59/2024-25	PHE2425WSRC07973
NIT-60/2024-25	PHE2425WSRC07974
NIT-61/2024-25	PHE2425WSRC07975
NIT-62/2024-25	PHE2425WSRC07976
NIT-63/2024-25	PHE2425WSRC07977

जल ही जीवन है

अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड जोबनेर

DIPR/C/316/2025

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2024-25/3326 दिनांकः- 09.01.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या 45/2024-25 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से Interior work के अनुभवी नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से (Interior work at New Office Building for Nagar Nigam Ajmer, Opposite Panchsheel Kanji House, Lohagal Road Ajmer) कार्य हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 49.68 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 09.01.25 से 20.01.25 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 21.01.25 को 10.00AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

Nib Code :-ANN2425A0173
UBN No. :-ANN2425WSOB00278

अधिशाषी अभियन्ता
नगर निगम अजमेर

राज.संवाद/सी/24/10165

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-धौलपुर

क्रमांक : 2484-2504 दिनांक : 01.01.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या : 06/2024-25

राजस्थान में राज्यपाल महोदय की ओर से जिला धौलपुर में वर्षा से क्षतिग्रस्त विभिन्न सड़कों एवं पुलियाओं का स्थाई पुन: उद्धार कार्य एवं जिला जोधपुर में नगर परिषद/नगर पालिका के अन्तर्गत विभिन्न सडकों पर बी.टी./सी.सी निर्माण कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमत्रिंत की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

Package No.	NIB No.	UBN No.
RJ-13-04/SDRF/2024-25 Under Dn. Dholpur	PWD2425A3565	PWD2425WSOB12962
RJ-13-05/SDRF/2024-25 Under Dn. Bari	PWD2425A3565	PWD2425WSOB12963
Major Road Repair Work in Nagar Parishad Dholpur Pkg. No. RJ-13-01/CDIII-8443/LSGD/2024-25 Under DN Dholpur	PWD2425A3565	PWD2425WSOB12965

DIPR/C/180/2025

अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत धौलपुर

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान,

आबकारी भवन, 2-गुनियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक F.32(B)(1)(AP)EX/L/2024-25-03000 part(6)/1424 दिनांकः 10.01.2025

पडत मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधरण को सूचित कियाजाता है कि आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2024-25 के अनुसार पड रही कम्पोजिट मदिरा दुकानों के लिए ई-निवदि प्रक्रिया से बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है :-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 11.01.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 15.01.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय व स्थान	दिनांक 15.01.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-

1. यह निविदा वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं वेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सिर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओं के पास पूर्व में वैध डिजिटल सर्टिफिकेट है, उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है। 2. देशी मदिरा, राजस्थान निर्मित मदिरा (RML), भारत निर्मित विदेशी मदिरा (IMFL) एवं बीयर की कम्पोजिट दुकानों का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी राशि, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा आवेदक द्वारा मदिरा दुकान का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन/ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जमा नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्न लिखित राशियां उनके सामने उल्लेखित राजकोष मद में जाम करवानी होगी :-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपय में)	राजकोष लेखा मद
1	(RISL) की प्रक्रिया/पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	निविदा के संबंध में जारी दिशा-निदेश एवं शर्तों की शर्त संख्या 6.11 के अनुसार रू. 10,000/- से लेकर रू. 20,000 तक (अनुमानित गारण्टी राशि के अनुसार)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	अनुमानित गारण्टी राशि की 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रक्रिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लेखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जाम करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-50-01-00 में जमा किया जा सकता है।

4. **अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने के समस्त अधिकारी आबकारी आयुक्त को होगें।**
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो, जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी। 6. निर्धारित समय में वाँछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि-अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी। 7. मदिरा दुकानों के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2024-25 तथा प्रारूप अनुज्ञापत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भाँति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगें। 9. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

UBN-EXC2425GLOB00170

(शिवप्रसाद नकाते)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान।

DIPR/C/553/2025

'राजस्थान पुलिस की एस.आई.टी. ने बीते एक साल में पेपरलीक के 244 आरोपी दबोचे'

डी.जी.पी. उत्कल रंजन साहू ने पेपर लीक माफिया पर गत एक साल में की गई कार्रवाई पर एस.आई.टी. की सराहना की

- **राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक करने वाले सरगना, सहयोगी और गलत तरीकों से लाभान्वित परीक्षार्थी समेत 176 लोग आज सलाखों के पीछे हैं। इनमें डमी कैंडिडेट्स के सहारे चयनित हुए लोग भी शामिल है।''**
- **डी.जी.पी. उत्कल रंजन साहू का कहना है ''एस.आई.टी. की कार्रवाई का नतीजा है कि पिछले 1 साल में आर.पी.एस.सी. की 145 तथा आर.एस.एस.बी. की 25 परीक्षाएं बिना पेपर लीक के संपन्न हो सकी।''**

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने पिछले एक साल में ''पेपरलीक माफिया'' पर शिकंजा कसा है। इसी का नतीजा है कि राजस्थान पुलिस की एसआईटी ने पिछले एक साल में पेपर लीक के अनेकानेक अपराधियों और इसमें शामिल गैंग के सरगनाओं की गिरफ्तारी की है। पेपरलीक गिरोह के सरगना, सहयोगी और गलत तरीकों से लाभान्वित परीक्षार्थी आज सलाखों के पीछे है। डमी कैंडिडेट्स के सहारे चयन के आरोपी भी पकड़े गए है। यहां तक कि ईओ-आरओ परीक्षा में पेपर लीक व अनुचित साधनों के उपयोग का पर्दाफाश भी इस टीम ने किया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में नई सरकार का नेतृत्व संभालने के तुरंत बाद 16 दिसम्बर 2023 को पेपर लीक से सम्बंधित प्रकरणों की गहन जांच और नकल गिरोह से जुड़े आरोपियों की धरपकड़ करते हुए हताश युवाओं के विश्वास को लौटाने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी के नेतृत्व में एसआईटी के गठन का निर्णय लिया था। एसआईटी ने प्रदेश में पेपर लीक की रोकथाम के लिए इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में न केवल जाँच को त्वरित तरीके से आगे बढ़ाया है, बल्कि दोषियों के विरूद्ध सख्त एक्शन लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप एस.आई.टी. की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई का नतीजा है कि, प्रदेश में बीते एक साल में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.) की 145 तथा राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) की 25 परीक्षाएं बिना पेपरलीक संपन्न हो पायी है।

डी.जी.पी. ने बताया कि राजस्थान में जेईएन, उप निरीक्षक पुलिस तथा प्लाटून कमान्डर भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक में सम्मिलित मुख्य गैंग सरगनाओं, उनके सहयोगी तथा गलत तरीके से लाभान्वित हुए परीक्षार्थियों को भी गिरफ्तार किया है, जिनमें से अधिकांश आरोपी वर्तमान में भी सलाखों के पीछे हैं।

एसआईटी द्वारा परीक्षाओं में गड़बड़ी और अनियमितताओं के बारे में अलग-अलग स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर 2300 से अधिक परिवादों की जांच की जा रही है। अब तक 94 एफआईआर दर्ज की गई है, वहीं पेपर लीक मामलों में 244 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, इनमें से 176 आरोपी मौजूदा समय में जेल में है।

अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) पुलिस, एटीएस और एसओजी तथा एसआईटी के प्रमुख वीके सिंह ने बताया कि प्रदेश में कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान एसओजी के थाने पर पेपर लीक, डमी अभ्यर्थियों के सहारे चयन तथा प्राइवेट विश्वविद्यालयों द्वारा फर्जी डिग्री सर्टिफिकेट थोक में जारी करने और इनका बड़े स्तर पर इस्तेमाल करते हुए सरकारी नौकरियां प्राप्त करने से जुड़ी 91 एफआईआर रजिस्टर की गई।

एसआईटी की जांच में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठाकर अनुचित साधनों के प्रयोग से चयनित होने वालों की संख्या बहुत अधिक होने का खुलासा हुआ। यह भी एक पेपर लीक जैसी गम्भीर समस्या थी, जो कि अब तक दबी हुई थी। एसआईटी ने इसे उजागर कर परीक्षा प्रणाली में सुधार करवाए हैं।

एडीजी वी.के.सिंह ने बताया कि एसआईटी ने आरपीएससी द्वारा आयोजित अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी(ईओ/आरओ) भर्ती परीक्षा-2023 की जांच कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए इनमें पेपर लीक एवं अनुचित साधनों के उपयोग का पर्दाफाश भी किया है, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा को निरस्त कर पुन: आयोजन की घोषणा की गई है। इसके साथ ही बेकरिया पेपरलीक प्रकरण में दिसम्बर 2022 में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के सिलसिले में थाना बेकरिया जिला उदयपुर में गिरफ्तारशुदा 6 मुल्जिमों की जमानत याचिका राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर पीठ द्वारा सुनवाई के बाद अगस्त 2024 में खारिज की गई। ये मुल्जिम वर्ष 2023 से न्यायिक अभिरक्षा में है।

फर्जी डिग्री देने-लेने वालों पर कसा शिकंजा

सिंह ने बताया कि एसआईटी की जांच में ज्ञात हुआ कि पेपर लीक करने एवं डमी अभ्यर्थी की सहायता से चयन कराने वाले गैंग द्वारा बिना योग्यता वाले अभ्यर्थियों का अनुचित साधनों से चयन करवा दिया जाता था। परीक्षा का फार्म भरते समय उनके द्वारा यह घोषणा की जाती थी कि कि वे अमुक विश्वविद्यालय से अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं किन्तु वे वास्तव में विद्यार्थी नहीं हो कर चयनित होने पर किसी प्राईवेट यूनिवर्सिटी से फर्जी डिग्री लाकर एवं अनुचित तरीकों से बड़ी संख्या में सरकारी नौकरी प्राप्त कर लेते थे। एसआईटी द्वारा ऐसे विश्वविद्यालयों के खिलाफ गहनता से छानबीन बाद मुकदमा दर्ज किया गया है एवं जाँच प्रगति पर है। ऐसे प्राईवेट विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, दलालों एवं कई लाभार्थियों को गिरफ्तार किया गया है और वे अभी भी जेल में बन्द है। साथ ही एसओजी ने खेलों में फर्जी प्रमाण पत्र का गोरखधंधा उजागर कर इसमें संलिप्त आरोपितों को भी गिरफ्तार किया है।

हैल्पलाइन पर आमजन से मिल रही सटीक सूचनाएं

एडीजी एसओजी एवं एटीएस सिंह ने बताया कि एसआईटी की टीम ने गत एक साल में जिस प्रकार रात दिन एक करते हुए पेपर लीक के मामलों में लगातार तत्परता से ठोस कार्रवाई की है, उससे युवाओं के साथ-साथ आमजन में भी सिस्टम के प्रति भरोसा कायम हुआ है। एसआईटी द्वारा जारी हेल्पलाइन पर आमजन सजग प्रहरी के रूप में लगातार परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग कर चयनित लाभार्थियों के बारे में सटीक सूचना बढ़-चढ़कर साझा कर रहे है। एक तरह से एसआईटी हैल्पलाइन ने जनता को पुलिस की भूमिका में लाकर खड़ा कर दिया है।

दूध के 70 प्रतिशत सैंपल में मिली पानी की मिलावट

जयपुर। राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन (आरसीडीएफ) की प्रशासक एवं प्रबंध निदेशक श्रुति भारद्वाज की पहल पर पूरे राजस्थान में चल रहे ''दूध का दूध, पानी का पानी'' अभियान की जयपुर में उत्साहजनक शुरुआत हुई।

जयपुर डेयरी द्वारा शुक्रवार सुबह पांच प्रमुख स्थानों- करधनी शॉपिंग सेंटर मालवीय नगर, एनआरआई सर्किल प्रताप नगर, वीटी रोड मानसरोवर, प्रेम नगर पुलिया आगरा रोड, और जवाहर नगर डेयरी बूथ नंबर 8116 पर अभियान की शुरुआत की गई। अभियान को लेकर जनता में भारी उत्साह देखा गया, और बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपने दूध की जांच करवाई।

अभियान के दौरान लिए गए सैंपलों की जांच में यह पाया गया कि शहर के विभिन्न स्थानों पर 70 प्रतिशत दूध में पानी की मिलावट थी। इन सैंपलों में से अधिकांश में 35 से 40 प्रतिशत तक पानी की मिलावट पाई गई। यह आंकड़े चिंताजनक हैं और यह दर्शाते हैं कि दूध में पानी की मिलावट कर उपभोक्ताओं को ठगा जा रहा है। गौरतलब है कि यह अभियान 30 जनवरी तक लगातार जारी रहेगा।

कृष्ण कुणाल ने किया विद्या समीक्षा केन्द्र की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन

जयपुर (कासं)। राजस्थान में शैक्षिणक गतिविधियों की विद्यालय स्तर से ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर तक मॉनिटरिंग सपोर्ट एवं सूचना के आदान-प्रदान के लिए डॉ.राधाकृष्णन शिक्षा संकुल में स्थापित विद्या समीक्षा केंद्र की स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने शुक्रवार को समीक्षा की।

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल और राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अविचल चतुर्वेदी ने विद्या समीक्षा केंद्र परिसर का निरीक्षण किया।

उन्होंने वीएसके के संचालन, कार्य प्रणाली और प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने वीएसके के डेटा डिलिवरी, मैनेजमेंट, वर्गीकृत जानकारी, एआई आधारित इनसाइट और चैट बॉक्स, टूल्स आदि पर विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वीएसके सेटअप के लिए कृष्ण कुणाल ने टीम को बधाई देते हुए अब तक किए गए कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कुछ आवश्यक टूल जोड़ने और डेटा एनालिसिस को बेहतर करने की सलाह भी दी। उन्होंने आधुनिक शिक्षा प्रणाली के दौर में वीएसके की आवश्यकताओं पर जोर देते हुए कहा कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार राजस्थान में भी वीएसके के माध्यम से शिक्षक एवं शिक्षार्थी की ऑनलाइन मॉनिटरिंग जरूरी है। इससे शिक्षण पद्धित में सुधार के साथ पारदर्शिता भी लाई जा सकेगी।

कृष्ण कुणाल ने वीएसके परिसर में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश भी दिए। इससे पहले शासन सचिव सहित राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अविचल चतुर्वेदी ने विद्या समीक्षा केंद्र परिसर का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर आयुक्त मिड डे मील विश्व मोहन शर्मा , निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक प्रारंभिक शिक्षा श्री सीताराम जाट, निदेशक साक्षरता मेघराज सिंह रतनू, सचिव पाठ्य पुस्तक मंडल मूलचंद वर्मा, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक डॉ.रौनक बैरागी सहित अन्य उपस्थित रहे।

शांति एवं अहिंसा विभाग ने सुबोध महाविद्यालय में कराया सेमिनार

जयपुर। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजनो के क्रम में शांति एवं अहिंसा विभाग, राजस्थान सरकार एवं एस.एस. जैन सुबोध पी. जी. महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आज एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। सेमिनार में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने युवा दिवस के अवसर पर अपने विचारो को अभिव्यक्त किया ।

इस सेमिनार के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्री अविनाश गहलोत रहे। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है।

एल.आई.सी. बीमा सखी योजना से जुड़ी 50 हजार से अधिक महिलाएं

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम की ''बीमा सखी'' योजना से 50 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 9 दिसंबर को पानीपत में इस योजना का शुभारंभ किया था। बीमा सखी योजना महिला सशक्तिकरण के माध्यम से विकसित भारत की ओर एक कदम हैं, जो परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगी।

भारतीय जीवन बीमा निगम के सीईओ और एम.डी. सिद्धार्थ महांति ने बताया कि एल.आई.सी. की इस योजना को लॉन्च हुए एक माह का समय बीत चुका है, इस अवधि में 52 हजार 511 पंजीकरण हुए है। इनमें से 27695 बीमा सखियों को पॉलिसी विक्रय के लिए नियुक्ति पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। करीब 14583 बीमा सखियों ने पॉलिसी विक्रय भी शुरू कर दिया है।

उन्होंने बताया कि एक वर्ष के भीतर देश की प्रत्येक पंचायत को कम से कम एक बीमा सखी से कवर करने का लक्ष्य रखा है। एलआईसी बीमा सखियों को उचित कौशल प्रदान करके तथा डिजिटल उपकरणों से सशक्त बनाकर मजबूत बना रही है। इस योजना में किए गए बीमा व्यवसाय पर अर्जित कमीशन के अलावा तीन वर्षों तक मासिक स्टायपेंड का लाभ भी मिलेगा।

गहलोत का बयान हास्यास्पद : राठौड़

जयपुर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड ने कहा कि रिफाइनरी पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का दिया गया बयान न केवल हास्यास्पद है बल्कि 'उल्टे बांस बरेली को' वाली कहावत को सार्थक करता है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के समय वर्ष 2017 में रिफाइनरी का शिलान्यास हुआ था जो कि अक्टूबर 2022 में पूर्ण होनी थी। कांग्रेस ने जानबूझकर रिफाइनरी परियोजना को लटकाया-भटकाया और इसकी लागत 36 हजार करोड़ रूपये से बढ़कर 72 हजार करोड़ हो गई। अशोक गहलोत ने विधानसभा में 3 बार परियोजना शुरू करने की तारीख तय की, अब हमारी सरकार जल्द इसकी सौगात देगी।

आई.एफ.एस. से मारपीट मामले में राजावत को मिली सजा स्थगित

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने 31 मार्च, 2022 को कोटा के नयापुरा में भारतीय वन सेवा के अधिकारी से मारपीट के मामले में भाजपा नेता भवानी सिंह राजावत और एक अन्य महावीर सुमन को मिली तीन साल की सजा को स्थगित कर दिया है। जस्टिस भुवन गोयल ने यह आदेश भवानी सिंह राजावत व महावीर की ओर से दायर अपील में पेश सजा स्थगन प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। कोटा की एससी, एसटी कोर्ट ने गत 19 दिसंबर को अपीलार्थियों को गत 19 दिसंबर को सजा सुनाई थी। अदालत ने कहा कि अपील के निस्तारण में लंबा समय लगने की संभावना है। ऐसे में अपीलार्थियों की सजा को अपील में निर्णय होने तक स्थगित किया जाता है।

अपील के साथ पेश प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत को बताया कि प्रकरण में उन्हें झूठा फंसाया गया है। उनके दोषसिद्ध करने का कोई साक्ष्य भी पत्रावली पर मौजूद नहीं है। इसके बावजूद भी विशेष न्यायालय ने उन्हें सजा सुनाई है। सजा के आदेश के खिलाफ पेश अपील के निस्तारण में लंबा समय लगने की संभावना है। ऐसे में उनकी सजा को स्थगित किया जाए। वहीं सरकारी वकील ने सजा स्थगन प्रार्थना पत्र को खारिज करने की गुहार की। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपीलार्थियों की सजा को स्थगित कर दिया है।

महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालु होटल, गेस्ट हाऊस बुकिंग के फर्जी लिंक और वेबसाइट से रहें सावधान

- **राजस्थान पुलिस ने आमजन को साइबर सुरक्षा के लिए जागरूक करते हुए एडवाइजरी जारी की**

जयपुर। आगामी दिनों में संगम नगरी प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालुओं को ठगने के लिए जालसाजो ने जाल बिछा दिया है। फर्जी लिंक एवं वेबसाइट के द्वारा होटल, धर्मशाला, गेस्ट हाउस की बुकिंग के नाम पर धोखाधड़ी की जा सकती है। राजस्थान पुलिस की साइबर शाखा द्वारा इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है कि ऐसी वेबसाइट एवं लिंक से सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन द्वारा जारी किए गए कांटेक्ट नम्बरों एवं ऑफिशल वेबसाइट से ही बुकिंग करावे।

महानिदेशक पुलिस, साइबर क्राईम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि आगामी दिनों में संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का शुभारंभ 13 जनवरी से होने जा रहा है। करीब 45 दिन तक चलने वाले इस महाकुंभ मे करोंडो श्रद्वालुओं के आने की सम्भावना है। डी.जी.पी. प्रियदर्शी ने बताया कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्वालुओं के ठहरने के लिए होटल, धर्मशाला एवं कुंभ क्षेत्र में बने होटल, धर्मशाला, गेस्ट हाउस व टेंट सीटी के कॉटेज की ऑनलाईन बुकिंग शुरू हो गयी है, इसके चलते ऑनलाईन बुकिंग को लेकर साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गये है। साइबर ठगों द्वारा सस्ते दामों पर होटल, धर्मशाला, टैंट सीटी व कॉटेज की बुकिंग कराने के नाम पर महाकुंभ जाने वाले श्रद्वालुओं को फर्जी लिंक व वेबसाइट के जरिये ठगी का शिकार बनाकर लोगो से एडवांस के नाम पर धनराशि प्राप्त कर साइबर धोखाधडी कर रहे है। प्रियदर्शी ने बताया कि आमजन की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशासन द्वारा जारी लिंक में उल्लेखित होटल, धर्मशाला, कॉटेज, एवं गेस्ट हाउस से ही एडवास बुकिंग करावें। प्रशासन द्वारा जारी सूची में इनके नाम, पता एवं कॉन्टैक्ट नंबर दिये है जो ऑफिशियल वेबसाइट पर भी मौजूद है।

पोल गिरने से सी-स्कीम में बिजली गुल

सी-स्कीम इलाके में अशोक नगर स्थित सुभाष मार्ग पर शुक्रवार को बिजली का पोल गिरने से यातायात बाधित रहा। इस दौरान पूरे इलाके की बिजली कई घंटों तक गुल रही। बाद में जब स्थानीय लोगों ने बिजली को सूचना दी तो कर्मचारियों ने नया पोल लगाकर बिजली के तारों को पुन: व्यवस्थित किया।

'यातायात नियमों की पालना करके राष्ट्र व समाज हित में सुरक्षार्थी बने विद्यार्थी'

अतिरिक्त महानिदेशक ट्रैफिक अनिल पालीवाल ने शुक्रवार को मानसरोवर स्थित आईआईएस स्कूल में विद्यार्थियों से सड़क सुरक्षा के बारे में संवाद किया।

- **यातायात पुलिसकर्मी प्रेम सिंह ने बच्चों को सड़क सुरक्षा संकेतकों, आदेशात्मक रोड साइनेजेज, सूचनात्मक चेतावनी, गति सीमा, अवरोधकों पर वाहन ठहराव, सड़क मार्ग एवं हाइवे विनियमन, रिफ्लेक्टर उपयोग, पार्किंग नियम और ओवरटेक के बारे में जानकारी दी**

जयपुर। राष्ट्र और समाज के तौर पर सुरक्षा को महत्व देना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। विद्यार्थी यातायात नियमों नियमों की पूर्ण पालना करते हुए सड़क मार्गों पर सुरक्षित आवाजाही करें, ट्रैफिक में अनुशासित और सतर्क रहकर वे सुरक्षित तरीके से स्वयं भी अपने गंतव्य स्थल पहुंचे और आवागमन में अन्य चालकों और राहगीरों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखें, जिससे दूसरों को भी कोई असुविधा न हों और अवांछित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

यह बात पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) ट्रैफिक अनिल पालीवाल ने शुक्रवार को जयपुर में मानसरोवर स्थित आईआईएस स्कूल में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (1 से 31 जनवरी) के सिलसिले में आयोजित अवेयरनेस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और युवाओं को मोटिवेट करते हुए कहीं।

एडीजी (ट्रैफिक) पालीवाल ने कहा कि विद्यार्थी, युवा और आमजन सुरक्षित कार्य करने की आदत डालें, खुद भी सुरक्षित रहे, दूसरों को भी सुरक्षित रखें और यातायात में सभी की सुरक्षा का ख़्याल रखें। स्टूडेंट्स से गलत ड्राइविंग पर दूसरों को टोकने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर सही जगह शिकायत करने के साथ ही सोसाइटी को हर तरह से सुरक्षित बनाने में योगदान की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि आप जितने जागरूक सिटीजन बनेंगे, उतनी हमारी सेफ्टी बढ़ेगी। श्री पालीवाल ने इस दौरान इंटरेक्टिव सेशन में स्टूडेंट्स और बालवाहिनी चालकों के समूह से संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और सुरक्षित यातायात के सम्बंध में उनके सुझावों को सराहा।

कार्यक्रम में एडीजी पालीवाल तथा यातायात पुलिस के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने छात्र-छात्राओं को यातायात जागरूकता के सम्बंध में प्रचार सामग्री का वितरण किया। प्राचार्य नीति जोधा ने एडीजी पालीवाल और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में एडिशनल डीसीपी यातायात रानू शर्मा, एडिशनल एसपी सुरेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक ब्रजेश कुमार सहित स्कूल के टीचर्स, स्टूडेंट्स, अभिभावक और गण्यमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान यातायात पुलिसकर्मी प्रेम सिंह ने बच्चों को सड़क सुरक्षा संकेतकों, आदेशात्मक रोड साइनेजेज, सूचनात्मक चेतावनी, गति सीमा, अवरोधकों पर वाहन ठहराव, सड़क मार्ग एवं हाइवे विनियमन, रिफ्लेक्टर उपयोग, पार्किंग नियम, ओवरटेक एवं यातायात पुलिसकर्मी डिप्लोय न होने की दशा में भी यातायात निर्देश की पूर्ण पालना के बारे में विशेष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जागरूक किया।

फर्जी-कॉल सेंटर के माध्यम से लोगों को ठगने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

शिप्रापथ क्षेत्र में था कॉल सेंटर, ई-मित्र की आईडी से मुनाफे व कैशबैक का झांसा देकर करते थे ठगी

- **पुलिस के मुताबिक इस गैंग पिछले 6 महीने में 500 लोगों से फेक कॉल करके 15 लाख रुपए से ज्यादा रकम ठग चुकी है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर की शिप्रापथ थाना पुलिस ने ठगी के एक कॉल सेंटर का शुक्रवार शाम पर्दाफाश किया है। जहां पुलिस ने ई-मित्र के नाम से खोले गए फेक कॉल सेंटर पर दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि कॉल सेंटर के जरिए ई-मित्र की आईडी से प्रॉफिट के साथ कैश बैक का झांसा देकर रकम ठगी जाती थी। जो पिछले 6 महीने में 500 लोगों से फेक कॉल सेंटर गैंग 15 लाख रुपए कमाई कर चुकी है। पुलिस ने कॉल सेंटर से बड़ी संख्या में कम्प्यूटर, मोबाइल व अन्य सामान के साथ 78 हजार कैश बरामद किया है। मामले में फरार कॉल सेंटर ऑनर और वर्कर्स की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही है।

शिप्रापथ थाना पुलिस फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर लोगों को ठगने वाले गिरोह को दबोचा।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कॉल सेंटर में साइबर फ्रॉड मामले में आरोपी दीपक (23) निवासी अशोक पुरा गली नंबर-1 सोडाला, संजय मेघवाल (22) निवासी काली पलटन मोहल्ला टोंक, नन्दवीर सैनी (22) निवासी रीको इंडस्ट्रियल एरिया मानसरोवर और विनोद बैरवा (23) निवासी मालपुरा जिला टोंक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कॉल सेंटर से 9 मोबाइल, 13 कम्प्यूटर, 1 लैपटॉप, वाईफाई, बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट मशीन, इंटरनेट कनेक्टर, बिजली के दो बोर्ड व ठगी के 78 हजार रुपए जब्त किए है। पुलिस दबिश के दौरान कॉल सेंटर पर ऑनर व अन्य वर्कर नहीं होने के चलते पकड़े नहीं जा सके। पुलिस जांच में सामने आया है कि ई-मित्र की आईडी बनाकर देने का कॉल सेंटर के जरिए झांसा दिया जाता था। आईडी से प्रॉफिट से लेकर कैश बैक का लालच देते थे।

रजिस्ट्रेशन फीस के जरिए फ्रॉड की पहली किस्त 5-10 हजार रुपए ली जाती थी। जिसके बाद रुपए और खर्च करने की लगने पर एक-दो बार सुविधा देकर कैश बैक का लालच देकर मोटी रकम बैंक अकाउंट में जमा करवा लेते थे। रुपए वसूली के बाद कस्टमर का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर देते थे। कुछ दिनों बाद पहले मोबाइल नंबर को बंद कर दूसरे मोबाइल नंबर का यूज शुरू कर देते थे। साइबर फ्रॉड कर गैंग के अभी तक करीब 500 लोगों से 15 लाख रुपए से अधिक की कमाई होने का पता चला है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ने बताया कि पिछले काफी समय से साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930 पर ई-मित्र सेवा के नाम पर साइबर फ्रॉड की सूचना मिल रही थी। जिस पर एसीपी मानसरोवर आदित्य काकड़े के सुपरविजन में शिकायतों का एनालासिस करवाया गया। साइबर सैल के हेड कांस्टेबल लोकेश कुमार की सूचना पर कांस्टेबल विजयपाल व प्रहलाद के साथ एसीपी ऑफिस (मानसरोवर) में तैनात हेड कांस्टेबल हंसराज की टीम बनाई गई। साइबर फ्रॉड करने वाले संदिग्धों के मोबाइल नंबरों से लोकेशन निकलवाई गई। साइबर सेल टीम की तरफ से गोपनीय सूचना प्राप्त की गई।

शिप्रापथ इलाके में विक्रमादित्य मार्ग अग्रवाल फार्म पर एक अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर समाज सेवा केंद्र के नाम से फ्रॉड करने का पता चला। ई-मित्र के नाम पर फर्जी कॉल सेंटर चलाने पर शिप्रापथ थानाधिकारी अमित शर्मा के नेतृत्व में टीम ने दबिश दी। पुलिस ने साइबर फ्रॉड के लिए कॉल सेंटर पर मिले चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। कॉल सेंटर पर मिले मोबाइल-कंप्यूटर सहित अन्य सामान को जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने ऑनर व अन्य वर्कर के कॉल सेंटर पर नहीं होना बताया। पिछले 6 महीने से इस कॉल सेंटर की संचालन होना बताया।

सार-समाचार

पहले सेशन की एडवांस्ड सेंटर सिटी इंटीमेशन स्लिप जारी

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन 2025 के पहले सेशन के परीक्षा शहर एवं परीक्षा की तिथियां जारी कर दी गई है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि इस वर्ष जेईई-मेन पहले सेशन के लिए इतिहास में सर्वाधिक 13 लाख 95 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जो कि गत वर्ष के मुकाबले एक लाख से अधिक है। इस वर्ष जेईई-मेन जनवरी परीक्षा 22 से 30 जनवरी के मध्य संपन्न होगी, जिसमें 22, 23, 24 व 28 एवं 29 जनवरी को दो शिफ्टों में बीई-बीटेक की परीक्षा एवं 30 जनवरी को एक शिफ्ट में बीआर्क की परीक्षा होगी। इस परीक्षा के सेंटर सिटी इंटीमेशन जारी कर दिए गए हैं, जिसमें स्टूडेंट्स को अपने परीक्षा दिनांक एवं परीक्षा शहर का पता जारी किया जा चुका है। जारी की गई एडवांस सिटी इंटीमेशन में विद्यार्थी एवं उसके माता-पिता का नाम, जन्मदिनांक, कैटेगिरी, मीडियम की जानकारी भी जारी की गई है, जिसे विद्यार्थी पूर्ण रूप से जांच ले। परीक्षा के एडमिट कार्ड स्वयं की परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व जारी किए जाएंगे।

हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने की मांग

छबड़ा (निसं)। अलख निरंजन ज्योति ध्यान योग केंद्र के तत्वधान में योगाध्यक्ष शंकरलाल नागर संगठन महामंत्री, हिंदी साहित्य भारती की अध्यक्षता व योग गुरु जगदीशचन्द्र शर्मा एवं कवि, गीतकर, लेखक-गायन, संपादक, हिंदी साहित्य भारती कार्यकारिणी के सदस्य के मुख्य आतिथ्य ओर योग सदस्य सतीश शर्मा के सानिध्य में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सतीश शर्मा ने बताया की हिंदी के प्रति राज्य, देश और दुनियाभर में जागरूकता का प्रसार हो। इसके लिए 10 जनवरी,2006 को हमारे देश के पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने प्रतिवर्ष विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाएं जानें कि घोषणा की गई थी। दयाल परमार ने कहा कि हिंदी भाषा ही नही भारतीय संस्कृति का गौरव है। महात्मा गांधी इस बात को जानते थे कि राष्ट्र की अपनी भाषा से ही गुलामी की जंजीरों को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। योग गुरु जगदीशचन्द्र शर्मा ने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन और आजादी के बाद हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन आज भी हमारी कानूनी लड़ाई में अंग्रेजी का ही दबदबा है। हिंदी कानून की भाषा बनें तो आम आदमी भी हिंदी के बल पर उच्च पदों पर आ सकेगा।

बावड़ी में युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में शुक्रवार को प्राचीन बावड़ी में एक युवक का शव मिला। बावड़ी में शव पड़े होने की सूचना पर बोरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर ही नगर निगम की गोताखोर टीम को बुलाकर शव को बाहर निकलवाया गया। बावड़ी में शव पड़े होने की सूचना फैलते ही मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। बोरखेड़ा थाने के एएसआई करतार सिंह ने बताया कि प्राचीन बावड़ी में एक युवक के शव पड़े होने सूचना मिली थी। मौके पर मृतक के शव को बाहर निकलावर उसकी शिनाख्त के प्रयास किये गये, लेकिन मौके पर मृतक की शिनाख्त नही हो पाई। मृतक के शव को एमबीएस मोर्चरी रखवा दिया गया है। मृतक के एक हाथ पर संदीप नाम लिखा हुआ है। मौके पर एक बैग मिला है। मृतक के शिनाख्त के प्रयास जारी है। नगर निगम गोताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि बावड़ी में शव पड़े होने की सूचना मिलने पर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। विष्णु श्रृंगी ने बताया कि बावड़ी में काई जमी होने के कारण करीब एक घंटे के मशक्कत के शव को बाहर निकालकर पुलिस को सौंपा गया। विष्णु श्रृंगी ने बताया कि आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि यह युवक बावड़ी के आसपास ही रहता था। संभवत: कि रात्रि में पैर फिसलने से बावड़ी में गिर गया होगा।

गिर्राज गुर्जर निर्विरोध तहसील अध्यक्ष बने

छबड़ा (निसं)। गुर्जर-गाडरी धर्मशाला में शुक्रवार को वीर गुर्जर विकास समिति के तत्वावधान मे समाज बंधुओं की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष रूपराज सिंह गुर्जर के मुख्य आतिथ्य एवं मानसिंह धनोरिया की अध्यक्षता में डॉ.गिर्राज गुर्जर को तहसील अध्यक्ष के पद पर सर्वसहमति से निर्विरोध निर्वाचित किया है। बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष कुलदीप गुर्जर बापचा, रघुनाथ पटेल मुकुंदखेडी, श्रीराम कड़ियाचोर, दौलतराम नजीपुरा, भंवरलाल घट्टी, हरिचरण मुकुंदखेडी, नारायण सिंह मुकुंदखेडी, रामकरण नयागांव, चिल्लू बापचा कोटा, मोरसिंह पूर्व छात्र संघ, युवा भाजपा नेता लखन गुर्जर शिवचरण एवं रवि गोचर, हिम्मत सिंह नयागांव, कमल सिंह खालकपुरा, बलराम बिशनखेडा, बलराम मोरला, प्रेमसिंह हरिपुरा, शंकरसिंह,भंवरसिंह हिंगलोट, कन्हैया लाल हिंगलोट, राजमल गुर्जर एवं कमल मोरला, किशन बिंदराडी, अमृतलाल बिंदराडी, नंदसिंह, संग्राम, महावीर नजीपुरा, बलराम भडाना, संग्राम जांचरोंडा, नंदू कोटडा मेघनाथ, रोशन भड़ाना, देवी सिंह, धनराज महुआखेडा आदि समाज बंधुओ ने भाग लेकर हर्ष व्यक्त किया।

औद्योगिक इकाई का भ्रमण किया

बून्दी (निसं)। पीएमश्री राजकीय उच्च मध्यमिक विद्यालय रामगंजबालाजी के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के 50 चयनित छात्र छात्राओं ने शुक्रवार को नागरिकता कौशल संवैधानिक मूल्य एवं भारत की जानकारी कार्यक्रम के अंतर्गत औद्योगिक इकाई का भ्रमण किया। प्रधानाचार्य मीनाक्षी कुमारी ने बताया कि विद्यालय में पीएमश्री योजनांतर्गत सत्रपर्यंत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सिलोर रोड पर स्थित अडानी विलमार प्राईवेट लिमिटेड का भ्रमण करवाया गया। अडानी विलमार फैक्ट्री के एचआर आशीष व्यास ने छात्र छात्राओं को सुरक्षा के प्रोटोकॉल के साथ पूरी इकाई का भ्रमण कराया और वहां होने वाले उत्पादन निर्माण में आटा, मैदा एवं तेल आदि को तैयार कर उनकी पैकिंग की जानकारी देते हुए इस क्षेत्र से जुडे रोजगार के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी लीला सोनी, अश्विनी पिंपले, राजीव नंदन, वरुण शर्मा एवं एनसीसी ऑफिसर अंकुर निंबार्क भी साथ में मौजूद रहे।

विधायक शांति धारीवाल कोटा प्रवास पर

कोटा, (निसं)। पूर्व मंत्री और कोटा उत्तर से विधायक शांति धारीवाल तीन दिवसीय कोटा प्रवास पर शुक्रवार को पहुंचे। विधायक शांति धारीवाल शनिवार और रविवार को कोटा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। शनिवार को राजस्थान राज्य कबड्डी संघ द्वारा 46वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के शुभारंभ के मौके पर नयापुरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे वहीं स्टोन मर्चेंट विकास समिति की नवगठित कार्यकारिणी के शपथग्रहण समारोह में विधायक शांति धारीवाल शिरकत करेंगे। रविवार को कायस्थ महाकुंभ निशुल्क चतुर्थ युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं नव वर्ष मिलन समारोह में शामिल होंगे रविवार को ही सोगरिया बालाजी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक शांति धारीवाल शिरकत करेंगे।

चाईनीज मांझे की 56 चकरी जब्त

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित चाईनीज मांझा की 56 चकरी जब्त करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। महावीर नगर थानाधिकारी महेन्द्र कुमार मारु ने बताया कि चाईनीज मांझा के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति एलआईसी बिल्डिंग के पास खड़ा होकर कट्टे में अवैध चाईनीज मांझा बेच रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंचकर युवक को डिटेन किया और उसके कब्जे से अवैध चाईनीज मांझा की 56 चरखियां जब्त की गई। अवैध चाईनीज मांझा बरामद होने पर संतोषी नगर निवासी वंश मेहरा (19) को गिरफ्तार किया गया है।

कोचिंग शिक्षक की मौत

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना क्षेत्र में एक कोचिंग शिक्षक घर में अचेत अवस्था में मिला जिसे उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवाहर नगर थानाधिकारी बुद्धाराम ने बताया कि तलवण्डी में किराये से रहने वाले विवेक शर्मा (25) घर में अचेत अवस्था में मिला था। प्रथम दृष्टया से अज्ञात विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से शिक्षक की मौत हुई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच की जा रही है।

जागरुकता सत्र का आयोजन

बूंदी (निसं)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला परिवहन कार्यालय की ओर से गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड बून्दी में प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इसमें सड़क सुरक्षा पोस्टर, पेंटिंग, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण व जागरूकता सत्र के दौरान जिला परिवहन अधिकारी प्रमोद लोढ़ा ने बताया कि गाडी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें।

हाड़ौती संभाग कोचिंग समिति ने सरकार के समक्ष पांच सूत्रीय मांग पत्र रखा

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग कोचिंग समिति ने लघु कोचिंग संस्थानों को सरकार की ओर से संबल दिए जाने की मांग की है। समिति के संभागीय अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा तथा जिला अध्यक्ष सोनिया राठौड़ ने बताया कि लघु कोचिंग संस्थान आर्थिक रुप से कमजोर क्षेत्रों में कम संसाधनों में पूरक शिक्षा और श्रेष्ठ परिणाम देने का काम कर रहे हैं। जिन बस्तियों में शिक्षास्तर बहुत कम और सरकारी प्रयास नाकाफी हैं। वहां पर भी बच्चों को न्यूनतम सुविधा शुल्क में क्वालिटी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

हाड़ौती संभाग कोचिंग समिति ने पत्रकारवार्ता कर अपनी मांगे रखी।

वहीं नैतिक संस्कार भी दे रहे हैं। इन क्षेत्रों में कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण अभिभावक कई बार न्यूनतम शुल्क देने की स्थिति में भी नहीं होते हैं। ऐसे में, सरकार को इन छोटे-छोटे शिक्षण संस्थानों को संबल प्रदान करने के उपाय करने चाहिएं। आगामी बजट में इसे लेकर उचित नीति बनाने की जरूरत है। समिति के महामंत्री धनेश विजयवर्गीय तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने बताया कि 1 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं वाले शिक्षण संस्थानों पर लागू किए गए मापदंड 100 से कम संख्या वाले कोचिंग संस्थान द्वारा फॉलो करना बहुत मुश्किल है। छोटे स्तर पर पूरक शिक्षा उपलब्ध करवा रहे कोचिंग संस्थानों को अलग नीति के माध्यम से मापदंडों में कुछ छूट दी जानी चाहिए।

प्रशासन द्वारा बड़े शिक्षण संस्थानों की तरह लघु शिक्षण संस्थानों पर डलने वाले अनावश्यक दबाव से मुक्ति दी जानी चाहिए। साथ ही, इन संस्थाओं को शहर शैक्षिक कार्यक्रमों एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के कार्यक्रमों के लिए सामुदायिक भवन निशुल्क या अल्प शुल्क में उपलब्ध करवाया जाना चाहिए।

संभागीय संरक्षक राकेश मिश्रा तथा जिला संरक्षक आरके जांगिड़ ने कहा कि सरकार को लघु शिक्षण संस्थानों को जीएसटी से मुक्त किया जाना चाहिए। वहीं, एमएसएमई का लाभ लघु शिक्षण संस्थानों को भी प्रदान करने की योजना में शामिल करना चाहिए। जिला उपाध्यक्ष अनिकेत प्रजापति ने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा छोटे शिक्षण संस्थानों को अनावश्यक परेशान किया जाता है। ऐसे में, संस्थाओं एवं शिक्षकों का पक्ष जानकर ही पुलिस के द्वारा प्रति कार्रवाई की जाने के लिए आश्वस्त किया जाना चाहिए। जिला संगठन मंत्री वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि आठवीं 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा ली जानी चाहिऐं, क्योंकि इनके माध्यम से शिक्षा शिक्षक परीक्षा परिणाम में गुणवत्ता, श्रेष्ठता का उत्थान संभव हो सकता है। व्यवसायिक पाठ्यक्रम भी आठवीं से ही शुरू हो तो विद्यार्थी स्वावलंबी होकर स्वरोजगार की ओर बढ़ेगा तो इससे बेरोजगारी से देश और समाज मुक्त रह सकेगा।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन आज से

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय अग्रवाल सेवा उत्थान समिति कोटा संभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय 26वें अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का शुभारंभ शनिवार को सुबह 11 बजे से नयापुरा उम्मेदसिंह स्टेडियम पर होगा। परिचय सम्मेलन के लिए देशभर से 490 युवक युवतियों ने पंजीयन कराया है। इसमें इंदौर, उज्जैन, देवास, जयपुर, अजमेर, उदयपुर, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात समेत विभिन्न क्षेत्रों से रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। इन सबकी ठहरने की व्यवस्था अग्रवाल समाज ने नि:शुल्क की गई है। संभाग अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल तथा महामंत्री संजय गोयल ने बताया कि अतिथियों द्वारा सुबह महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

थप्पड़ कांड मामले में उच्च न्यायालय ने राजावत को राहत दी

कोटा, (निसं)। बहुचर्चित डीएफओ थप्पड़कांड मे पूर्व विधायक भवानीसिंह राजावत को पिछले दिनों कोटा में एडीजे कोर्ट द्वारा एससी-एसटी की धारा 3 मे बरी करते हुए डीएफओ से मारपीट के मामले मे धारा 332/34 व 353/54 मे 3 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी जिसमें राजावत कोर्ट के इस फैसले से असन्तुष्ट थे और उन्होनें इसमें उच्च न्यायालय मे अपील करने का निर्णय लिया था।

पूर्व विधायक राजावत द्वारा बताया गया कि इसमें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने सुनवाई कर इसमें स्थगन आदेश जारी करते हुए राहत दी, और सजा स्थगित रखते हुए इस पर फैसला अब उच्च न्यायालय करेगा। विद्वान न्यायाधीश ने फैसले मे कहा कि परिवादी ने किसी भी तरह के जातिसूचक शब्द तथा मारपीट की बात नहीं मानी और न ही मेडिकल रिपोर्ट मे ऐसा सामने आया हैं और परिवादी की और से 2 सरकारी गवाह भी मारपीट की बात को स्वीकार नही करते ऐसे हालात मे यह मारपीट विधि सम्मत नही हैं इसीलिए भवानीसिंह राजावत और महावीर सुमन की जमानत स्वीकार की जाती हैं और एडीजे कोर्ट द्वारा दी गई 3 वर्ष की सजा के स्थगन के आदेश जारी किए जाते हैं। राजावत की ओर से हाईकोर्ट मे विद्वान वकील दीपक चौहान ने पैरवी की, राजावत ने कहा कि प्रतिवर्ष हजारों की संख्या मे श्रद्धालु और भक्तगण माता के मन्दिर मे दर्शन के लिए जाते हैं और मन्दिर की सड़क टूटी हुई थी जिसके लिए मेरे आग्रह पर नगर विकास न्यास द्वारा सड़क कार्य करवाया जा रहा था उस सड़क का काम डीएफओ रवि मीणा द्वारा रूकवाए जाने के कारण मैंने उनके कार्यालय मे जाकर कहा था कि नादानी मत करिए आप लोगों की श्रद्धा के साथ खिलवाड़ मत करो यह सड़क प्राचीन काल से राजा-महाराजाओं के समय से चली आ रही हैं इसमें बाधा उत्पन्न मत करों। हाईकोर्ट के फैसले के बाद राजावत ने कार्यकर्ताओं के साथ डाढ़देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भाजपा पदाधिकारियों का अभिनंदन किया

कोटा, (निसं)। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, राजस्थान के प्रदेश सह-संयोजक इरशाद अली के नेतृत्व में मंच की ओर से रायपुरा चौराहा स्थित श्री आवास कॉलोनी स्थित निवास पर भाजपा नेताओं का अभिनन्दन किया गया। मंच के प्रदेश सहसंयोजक इरशाद अली नें बताया कि कार्यक्रम के अतिथि के तौर पर भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अशोक मीणा, राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल के राज्यस्तरीय प्रन्याशी अरविन्द सिसोदिया, भाजपा उद्योगनगर मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष मनोज तलाईचा, नवनियुक्त मंडल प्रतिनिधि बुद्धि प्रकाश आर्य एवं एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष राम मीणा प्रमुखता से मौजूद रहे। भाजपा पदाधिकारियों नें अपने संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वरिष्ठ शिक्षाविद् हरिकृष्ण बिरला एवं शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन के प्रति आभार व्यक्त किया। एवं कहा कि राजनैतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को समस्या समाधान हेतु प्रमुखता से कार्य करना चाहिऐं। भाजपा हमेशा ही संघर्षशील रही है और इसी अपेक्षा और ध्येय से नवनियुक्त पदाधिकारी कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंच की ओर से भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविन्द सिसोदिया के राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल में राज्यस्तरीय प्रन्याशी मनोनीत होने पर, मनोज तलाईचा के भाजपा के उद्योगनगर मंडल अध्यक्ष नियुक्त होने पर एवं बुद्धिप्रकाश आर्य के भाजपा मंडल प्रतिनिधि नियुक्त होनें पर, शॉल, श्रीफल एवं माल्यार्पण के साथ अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंच के प्रदेश सहसंयोजक इरशाद अली ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन मंच के कोटा संभाग संयोजक एहसान अंसारी नें किया।

चोरी की वारदात का हुआ खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम इलाके में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि आरकेपुरम इलाके मे स्थित एक फार्म हाऊस से 9 जनवरी को चोरी की वारदात सामने आने पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये आरकेपुरम थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटैज खंगाले और अज्ञात चोरों तक पहुंचने के लिये रूपरेखा तैयार की। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए मोहल्ला खेड़ारूधा चेचट निवासी विनोद (28) और डाबला थाना बडौद जिला मन्दसौर हाल गणेश नगर टापरी थाना आरकेपुरम निवासी सुरेश (28) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

यह था मामला:- आरकेपुरम थानाधिकारी महेश कुमार ने बताया कि 9 जनवरी को वल्लभबाड़ी निवासी ज्ञानेन्द्र सिंह ने थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि रंथकाकरा आंवली में उसका फार्म हाऊस है। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि अज्ञात चोर फार्म हाऊस का ताला व दीवार तोड़कर घरेलू इलैक्ट्रिक सामान, पानी की मोटर, बाथरूम फिटिंग का सामान आदि चुराकर ले गये।

थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी ज्ञानेन्द्र की रिपोर्ट मे अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए दो आरोपी विनोद व सुरेश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों से चोरी किये गये सामानों के बारे में अनुसंधान जारी है।

महिलाओं के लिए उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं : कल्पना देवी

कोटा, (निसं)। लघु उद्योग भारती महिला इकाई की ओर से झालावाड़ रोड स्थित शुभम गार्डन पर शुक्रवार को हस्तशिल्प मेला स्वयंसिद्धा का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि विधायक कल्पना देवी थी। अध्यक्षता सिटी एसपी अमृता दुहन ने की।

विशिष्ट अतिथि लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष ताराचंद गोयल व कार्यकारिणी सदस्य वरिष्ठ सलाहकार गोविंदराम मित्तल थे। हस्तशिल्प मेले में भारत सरकार की ओर से बिना गारंटी 10 लाख तक का लोन न्यूनतम ब्याज दर पर दिया जा रहा है। यहां 100 से अधिक महिला उद्यमियों ने स्टॉल लगाई है। वहीं देशभर के अलग-अलग क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए फूड कोर्ट में भोजन की स्टाल भी लगाई गई है।

कोटा में लघु उद्योग भारती महिला इकाई के हस्तशिल्प मेला स्वयंसिद्धा में लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी मौजूद रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कल्पना देवी ने कहा कि आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में अपनी सफलता के झंडे गाड़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को राजनीति में लाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है। जब महिलाएं राजनीति में आएंगी तो राजनीतिक क्षेत्र स्वच्छ होगा।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। सिटी एसपी अमृता दुहन ने कहा कि महिलाएं घर पर रहकर दिनभर सभी काम करती हैं। ऐसे में, महिलाएं घर के बाहर के कामों को भी आसानी से कर सकती हैं। महिलाएं सशक्त होंगी तो देश सशक्त होगा।

उन्होंने कहा कि आज देश में चल रहे कुटीर उद्योगों में अधिकांश महिला उद्यमी ही काम करती हैं। गोविंदराम मित्तल ने कहा कि भारत इको फ्रेंडली उत्पाद बनाने में कभी 143वें स्थान पर आता था। आज पर्यावरण चेतना और सरकारी प्रयासों का नतीजा है कि भारत इको फ्रेंडली उत्पाद बनाने में 46वें स्थान पर आ गया है।

वहीं राजस्थान भी आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गया है। ताराचंद गोयल ने कहा कि महिला उद्यमिता परिवार की आय बढ़ाने में सहयोगी हो सकती है। लघु उद्योग भारती महिला इकाई की प्रेसीडेंट शशि मित्तल ने बताया कि हस्तशिल्प मेले का समापन रविवार को होगा। इस दौरान सेक्रेटरी चांदनी पोद्दार और कोषाध्यक्ष निहारिका गुप्ता भी मौजूद रही।

चाईनीज मांजे सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमण्डी पुलिस ने कार्यवाही करते हुए चाईनीज मांझे की बिक्री करते हुए एक जने को गिरफ्तार किया है। भीमगंजमण्डी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि मकर संक्राति से पहले शहर में चाईनीज मांझे के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत सुभाष कॉलोनी खेडली फाटक क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित चाईनीज मांझे के दो रोल जप्त कर जयहिन्द नगर निवासी नेमीचंद मीणा (49) को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर (राज.)

क्रमांक:-ननिको/को.उ./राजस्व/अति.आ/2025/280-81 दिनांक:-10.1.2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को जर्ये आम सूचना सूचित किया जाता है कि श्री घनश्याम पारेता पुत्र श्री गोपी लाल पारेता, प्लैट नं. 1302, पार्क व्यू रजत सीटी, श्रीनाथपुरम, इंजीनियरिंग कॉलेज कोटा राज. द्वारा नगर निगम कोटा की होटल/रेस्टोरेन्ट/मैस उपविधि 2016 के अनुसार तुलुम्ब, रेस्टोरेन्ट प्लाट नं. 668, 211 नयाखेडा बून्दी रोड कोटा की रेस्टोरेन्ट संचालन की अनुमति चाही गई है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा उत्तर के ब्लॉक सी के द्वितीय तल के कमरा नं. 307 में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा उपरोक्त उपविधि के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी। सूचित हो।

उपायुक्त (राजस्व) नगर निगम, कोटा (उत्तर)

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ 11 विक्रय/2025/516 दिनांक:-10.1.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड संख्या 413 सुभाष नगर आवासीय योजना में हस्तान्तरण पत्र क्रमांक 1266 दिनांक 23.09.2023 को श्रीमती नवल बाई नागर पत्नी श्री घनश्याम नागर के नाम हस्तान्तरण किया गया था। श्रीमती नवल बाई नागर पत्नी श्री घनश्याम नागर द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये मुख्तारआम श्री मनोज गौड़ पुत्र श्री बृजमोहन गौड़ द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 15.12.2024 को श्री गुलाब चंद बैरवा पुत्र श्री लटूर लाल बैरवा को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री गुलाब चंद बैरवा पुत्र श्री लटूर लाल बैरवा द्वारा उक्त भूखंड का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 413 सुभाष नगर आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री गुलाब चंद बैरवा पुत्र श्री लटूर लाल बैरवा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ 11 विक्रय/2025/513 दिनांक:-10.1.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा आवास संख्या 1136 श्रीरामकृष्णपुरम-ए आवासीय योजना में आवंटन पत्र क्रमांक 1785 दिनांक 09.10.2000 को श्री रविन्द्र गुप्ता पुत्र श्री महेश प्रसाद गुप्ता के नाम आवंटन किया गया था। श्री रविन्द्र गुप्ता पुत्र श्री महेश प्रसाद गुप्ता द्वारा उक्त आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री सुमित जैन पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 05.09.2014 को श्री सुनील नन्दवाना पुत्र श्री जगदीश प्रसाद नन्दवाना को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री सुनील नन्दवाना पुत्र श्री जगदीश प्रसाद नन्दवाना द्वारा उक्त आवास का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 1136 श्रीरामकृष्णपुरम-ए आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री सुनील नन्दवाना पुत्र श्री जगदीश प्रसाद नन्दवाना के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ 11/ विक्रय/2025/514 दिनांक:-10.1.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना आनन्दपुरा भूखंड संख्या 824 का आवंटन पत्र क्रमांक 1819 दिनांक 21.05.2010 को सुश्री सीमा मीणा पुत्री श्री बिरधी लाल मीणा के नाम आवंटन किया गया था। सुश्री सीमा मीणा पुत्री श्री बिरधी लाल मीणा द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.01.2020 को श्री रामप्रसाद पुत्र श्री भँवर लाल एवं श्रीमती इन्द्रा पत्नी श्री रामप्रसाद को विक्रय कर दिया गया था। श्री रामप्रसाद की मृत्यु दिनांक 10.01.2023 को हो गयी है। मृत्यु उपरांत श्री रामप्रसाद पुत्र श्री भँवर लाल के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत रिलीज डीड (हक त्याग पत्र), मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि दस्तावेजों के आधार पर श्रीमती इन्द्रा पत्नी स्व. श्री रामप्रसाद द्वारा उक्त भूखंड संख्या 824 आनन्दपुरा अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अत: जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 824 योजना आनन्दपुरा का नामहस्तान्तरण श्रीमती इन्द्रा पत्नी स्व. श्री रामप्रसाद के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ 11/ विक्रय/2025/515 दिनांक:-10.1.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना केशवपुरा-7 आवास संख्या 100 का नामहस्तांतरण क्रमांक 2047 दिनांक 27.09.2013 को श्री जुगल किशोर पुत्र श्री नन्द किशोर के नाम हस्तान्तरण किया गया था। क्रेता श्री जुगल किशोर की मृत्यु दिनांक 15.05.2023 को हो गयी है। मृत्यु उपरांत श्री जुगल किशोर पुत्र श्री नन्द किशोर के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत विधिक वारिसान शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्रों, आईडी इत्यादि के आधार पर श्री अंकित नामा पुत्र स्व. श्री जुगल किशोर नामा एवं श्री कपिल देव नामा पुत्र स्व. श्री जुगल किशोर नामा एवं चांदनी नामा पत्नी श्री चतुर्भुज नामा पुत्री स्व. श्री जुगल किशोर नामा द्वारा उक्त आवास संख्या 100 केशवपुरा-7 अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अत: जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 100 योजना केशवपुरा-7 का नामहस्तान्तरण श्री अंकित नामा पुत्र स्व. श्री जुगल किशोर नामा एवं श्री कपिल देव नामा पुत्र स्व. श्री जुगल किशोर नामा एवं चांदनी नामा पत्नी श्री चतुर्भुज नामा पुत्री स्व. श्री जुगल किशोर नामा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ 11 विक्रय/2024-25/484 दिनांक:-9.1.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड संख्या 535 मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना में आवंटन पत्र क्रमांक 393 दिनांक 04.11.2015 को श्री चन्द्रप्रकाश पुत्र श्री श्रवण के नाम आवंटन किया गया था। श्री चन्द्रप्रकाश पुत्र श्री श्रवण द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये मुख्तारआम श्री अतुल जैन पुत्र स्व. श्री जय हिन्द जैन द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.11.2024 को श्री सीताराम कराड पुत्र श्री भवानी लाल कराड को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री सीताराम कराड पुत्र श्री भवानी लाल कराड द्वारा उक्त आवास का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 535 मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री सीताराम कराड पुत्र श्री भवानी लाल कराड के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ/तहसील/क.ब./2024/906 दिनांक:-10.1.25

नाम हस्तान्तरण हेतु विज्ञप्ति आम सूचना

नगर विकास न्यास द्वारा कच्ची बस्ती नियमन के तहत सर्वे संख्या 227 कच्ची बस्ती संजय गांधी नगर का पट्टा नियमन क्रमांक नियम/आवंटन/84 दिनांक 08.06.1990 को श्री रामस्वरुप पुत्र भैरुलाल को आवंटित किया गया था। आवंटी रामस्वरुप का स्वर्गवास दिनांक 14.11.2022 एवं श्री जगदीश का स्वर्गवास दिनांक 28.08.2015 को हो जाने के कारण आवेदक द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती रजनी बाई पत्नी स्व. जगदीश एवं श्री अमन मीना पुत्र स्व. श्री जगदीश ने स्वयं के नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन किया है। जिसका नाम हस्तांतरण प्रस्तावित है।

अत: उक्त नाम हस्तांतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिवस में अपनी आपत्ति कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित में प्रस्तुत कर देवें। अन्यथा बाद मियाद उक्त आवास का नाम हस्तान्तरण श्रीमती रजनी बाई पत्नी स्व. जगदीश एवं श्री अमन मीना पुत्र स्व. श्री जगदीश के नाम से कर दिया जावेगा।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-1826 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-10.1.25

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा की सकतपुरा कुन्हाडी योजना के भूखंड/आवास संख्या 256 का आवंटन/रजि./हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 17.06.1974 को श्री देवलाल पुत्र श्री पन्नाराम को किया गया था। आवंटी की मृत्यु दिनांक 23.05.2004 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत विविध वारिसान द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, रिलीज डीड, शपथ पत्र, वारिसान शपथ पत्र, आई.डी. इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास का अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 256 योजना सकतपुरा कुन्हाडी का नाम हस्तान्तरण श्रीमती भूली बाई पत्नी स्व. श्री देवलाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-606 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-10.1.25

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा की रानपुर आवासीय योजना के भूखंड/आवास संख्या F-198 का आवंटन/रजि./हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 16.05.2013 को श्री धर्मचन्द जैन पुत्र स्व. श्री भंवर लाल जैन को किया गया था। आवंटी श्री धर्मचन्द जैन पुत्र स्व. श्री भंवर लाल जैन की मृत्यु दिनांक 23.08.2024 को हो चुकी है। आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त भूखंड/आवास की वसीयत श्री हेमन्त कुमार जैन के नाम निष्पादित कर रखी थी। वसीयत ग्रहिता श्री हेमन्त कुमार जैन के द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा पत्र, गवाह शपथ पत्र, वारिसान शपथ पत्र, आई.डी. इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास का अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या F-198 योजना रानपुर आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री हेमन्त कुमार जैन पुत्र स्व. श्री धर्मचंद जैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

मैंने सोचा कि मुझे ये कहना चाहिए, हिन्दी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है, ये एक आधिकारिक भाषा है। पूर्व क्रिकेटर के बयान पर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट आए। - आर अश्विन

कॉलेज के ग्रेजुएशन सेरेमनी के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए बोले आर अश्विन।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

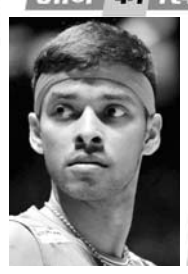

चिराग शेट्टी

चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारतीय जोड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में स्थानीय जोडी के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज करते हुए मलेशिया ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक ने मलेशिया की ओंग यू सिन और टेओ ई यी की जोड़ी को सीधे गेम में 26-24, 21-15 से शिकस्त दी। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम प्रदर्शन करते हुए ओंग यू सिन और टियो ई यी की मलेशियाई जोड़ी से मिली कांटे की टक्कर दी।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर दांये हाथ के बल्लेबाज तथा दांये हाथ के गेंदबाज हैं लेकिन वे बांये हाथ से लिखते हैं।

विमेंस वनडे: भारत ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, प्रतिका और तेजल की फिफ्टी

राजकोट, 10 जनवरी। भारतीय विमेंस ने राजकोट में हो रहे 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी कर रही आयरिश टीम ने 238/7 का स्कोर बनाया। कप्तान गैबी लुइस ने सबसे ज्यादा 92 रन बनाए।

जवाब में भारतीय टीम ने 34.2 ओवर में 241 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। प्रतिका रावल ने करियर की दूसरी हाफ सेंचुरी लगाई। तेजल हसनबीस ने नाबाद 53 रन बनाए। आयरलैंड से ऐमी मागुइरे ने 3 विकेट लिए।

मंधाना ने सबसे तेज 4 हजार रन पूरे किए स्मृति मंधाना विमेंस वनडे में सबसे तेज 4000 रन बनाने वाली भारतीय महिला बन गईं। वह अब वनडे में इस मुकाम पर पहुंचने वाली दुनिया की 15वीं और मिताली राज के बाद दूसरी भारतीय हैं।

मंधाना ने भारतीय पारी के नौवें ओवर में अर्लीन केली की गेंद पर सिंगल लेकर 4 हजार रन पूरे किए। हरमनप्रीत की गैरमौजूदगी में भारत के लिए कप्तानी कर रही स्मृति मंधाना ने ओपनर प्रतिका रावल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े।

स्मृति ने 29 बॉल पर 141.37 के स्ट्राइक रेट, 6 चौके और 1 छक्के के साथ 41 रन की पारी खेली। फ्रेया सार्जेंट ने उन्हें कैच आउट का कराया। हरलीन देयोल ने 20 और जेमिमा रोड्रिग्स ने 9 रन की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों को ऐमी मागुइरे ने आउट किया।

तेजल हसनबीस और प्रतिका रावल ने चौथ विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप की। दोनों ने 84 बॉल पर 116 रन जोड़े। शानदार बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल ने अपने करियर की दूसरी हाफ सेंचुरी लगाई। उन्होंने 96 बॉल पर 10 चौके और 1 सिक्स की मदद से 89 रन की पारी खेली। प्रतिका को ऐमी मागुइरे ने ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के हाथों कैच कराया।

मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज तेजल हसनबीस ने वनडे करियर में अपनी पहली फिफ्टी जमाई। उन्होंने 46 बॉल पर 53 रन बनाकर भारत को 15 ओवर बचे रहते ही जीत दिला दी। तेजल ने पारी में 9 चौके लगाए।

आयरलैंड महिला टीम की कप्तान गैबी लुइस ने शानदार बल्लेबाजी की। 15 चौकों की मदद से लुइस ने 92 रन बनाए। उन्होंने 129 बॉल का सामना किया। लुइस ने लिआ पॉल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 150 बॉल पर 117 रन जोड़े।

लिआ पॉल ने 73 बॉल पर 59 रन बनाए। उन्होंने पारी में 7 चौके लगाए। पॉल को हरलीन देयोल ने रन आउट किया। गैबी लुइस को दीप्ति शर्मा ने आउट किया। भारत की तरफ से लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा ने 2 विकेट लिए। दीप्ति शर्मा, तितास साधु और सयाली सतघरे को 1-1 विकेट मिला। दूसरा वनडे मुकाबला रविवार 12 जनवरी को सुबह 11 बजे से राजकोट में खेला जाएगा।

टेनिस सुपरस्टार का बड़ा दावा

कहा- मुझे खाने में दिया गया था जहर...

सर्बिया, 10 जनवरी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच अक्सर अपने खेल के कारण चर्चा में रहते हैं। लेकिन इस बार वो किसी और ही कारण के कारण चर्चा में हैं। दरअसल, जोकोविच ने एक हैरान करने वाला दावा किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि, ऑस्ट्रेलिया ओपन 2022 से पहले उनके खाने में जहर मिलाया गया था।

जोकोविच को कोरोना वायरल की वजह से काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। उनका वैक्सीन न लगने की वजह से वीजा रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में भी लिया गया था। जोकोविच ने दावा किया कि इस दौरान उनके खाने में जहर मिलाया गया था।

जोकोविच इस साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन में हिस्सा लेने गए हैं। उन्होंने इस दौरान हैरान करने वाला खुलासा करते हुए एक इंरटव्यू में कहा कि उनके खाने में जहर मिलाया गया था।

जोकोविच ने एक मैग्जीन जीक्यू को इंटरव्यू दिया। वहीं उन्होंने कहा कि, मुझे मेलबर्न के होटल में जहरीला खाना दिया गया था। मेरी इससे तबियत खराब हो गई थी मैंने सर्बिया वापसी की तो पता चला कि मेरे शरीर में भारी मेटल्स काफी ज्यादा है। मेरे शरीर में लेड और मरकरी भी बहुत ज्यादा पायी गई।

जोकोविच साल 2022 में कोविड19 के नियमों की वजह से ऑस्ट्रेलिया ओपन में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्हें डॉक्यूमेंट्स में गलत जानकारी देने के कारण हिरासत में लिया गया था। इसके साथ ही एक होटल में चार दिनों तक रखा गया। ये डिटेंशन सेंटर था।

वरुण एरोन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

भारत के लिए 18 मैच खेलें

नई दिल्ली, 10 जनवरी। भारतीय पेसर वरुण एरोन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 35 वर्षीय वरुण ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 () से झारखंड के बाहर होने के बाद यह घोषणा की। वरुण ने 2023-24 रणजी सीजन के आखिर में रेड बॉल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब व्हाइट बॉल फॉर्मेट भी छोड़ने का फैसला ले लिया है। उन्होंने 2024-25 के लिस्ट ए (वनडे) टूर्नामेंट के 4 मैचों में 53.33 के औसत से 3 विकेट लिए।

चोटों से उबरने में काफी मेहनत की: एरोन एरोन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, पिछले 20 वर्षों से मैं तेज गेंदबाजी कर रहा हूं। आज मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान करता हूं। इतने साल में मैंने करियर के लिए खतरा बनी अनेक चोटों से उबरने में शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत की, बार बार वापसी की और इसके लिए मैं अपने फिजियो, ट्रेनर और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी () के कोचों को धन्यवाद देता हूं।

अब मैं अपने जीवन की छोटी छोटी खुशियों का लुत्फ उठाना चाहूंगा, लेकिन खेल से भी जुड़ा रहूंगा, जिसने मुझे सब कुछ दिया है। तेज गेंदबाजी मेरा पहला प्यार रहा है और हमेशा मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहेगी।

2011 में डेब्यू किया 35 वर्ष के एरोन ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 2011 में डेब्यू किया था। उन्होंने अपना पहला वनडे मैच इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े में खेला था। वरुण ने भारत के लिए 9 टेस्ट और 9 वनडे खेले।एरोन ने फर्स्ट क्लास करियर केएरोन ने 2010-11 विजय हजारे ट्रॉफी में 21 साल की उम्र में 150 से ज्यादा की स्पीड से गेंद फेंककर अपनी पहचान बनाई थी। मगर बार-बार चोटिल होने के चलते वह टीम से लगातार अंदर-बाहर होते रहे। वरुण ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। घरेलू क्रिकेट में, एरोन ने 88 लिस्ट ए मैच खेले, जिसमें 26.47 की औसत और 5.44 की इकोनॉमी रेट से 141 विकेट लिए। टी-20 में उन्होंने 95 मैच में 8.53 की इकॉनमी रेट के साथ 93 विकेट लिए।

वीमेन अंडर 23 टी20 ट्रॉफी में राजस्थान ने सौराष्ट्र को हराया

वीमेन अंडर 19 ट्रॉफी में राजस्थान-उत्तर प्रदेश मैच

जयपुर, 10 जनवरी। गोवा में खेली जा रही बीसीसीआई की वीमेन अंडर 23 टी20 ट्रॉफी में आज राजस्थान ने सौराष्ट्र को हराया। राजस्थान की जीत में डिंपल कवंर का आल राउंडर प्रदर्शन। सौराष्ट्र पारी 104 /7, टीम के लिए उमेश्वरी 32 व आयुषी 20 रनो का योगदान दिया।

राजस्थान की गेंदबाज डिंपल कँवर 19/2, उषा पेरेरिया 25/2, यशस्वी कट्टा 15/2 विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य को राजस्थान टीम ने डिंपल कँवर की शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी की सहायता से 3 विकेट के नुकसान पर 108 रन बनाते हुए मैच में जीत प्राप्त की।

डिंपल कँवर ने अपनी नाबाद 51 रनो की पारी में 46 गेंदों का सामना किया जिसमे 8 चोक्के लगाए। टीम के लिए डिंपल कँवर नाबाद 51 , ज्योती चौधरी नाबाद 20 , आयुषी 14 व रिज़ा 10 रनो का योगदान दिया।

अंडर 19 वीमेन ट्रॉफी:- नागपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - उत्तर प्रदेश मैच में उत्तर प्रदेश जीती।

राजस्थान पारी, 78 आल आउट, टीम के लिए श्रेया जोशी 26 व पर्ल बामनावत नाबाद 11 रनो का योगदान दिया। उत्तरप्रदेश पारी 80 /5, टीम के लिए रामा कुशवाह 37 व भारती सिंह नाबाद 14 रनो का योगदान दिया। राजस्थान की गेंदबाज मैना सॉयल 19 / 2 व पर्ल बामनावत 20 / 1 विकेट प्राप्त किये।

राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता 11 जनवरी से जयपुर में प्रारंभ

जयपुर, 10 जनवरी। राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी से 13 जनवरी तक पूर्णिया यूनिवर्सिटी, जयपुर में किया जाएगा। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 250 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव श्री सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड श्रेणियों में महिला और पुरुष तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

देशभर से 250 से अधिक खिलाड़ी। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी: 15 से अधिक अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज, जिनमें पैरा ओलंपिक पदक विजेता शीतल देवी, स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर सिंह और श्यामसुंदर स्वामी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन पैरालंपिक कमिटी के अध्यक्ष देवेंद्र झांझरिया द्वारा किया जाएगा। गुर्जर ने बताया कि यह पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रोत्साहन देगा, बल्कि पैरा तीरंदाजी को देश में और मजबूती प्रदान करेगा। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, और आयोजन समिति खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सभी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए तत्पर है।

पूर्व में चयनित वॉलीबॉल खिलाड़ियों को पुन: ट्रायल की जरूरत नहीं

जयपुर, 10 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि उत्तराखंड में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए पूर्व में चयनित याचिकाकर्ता वॉलीबॉल खिलाडियों को पुन: ट्रायल देने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में दायर याचिका को निस्तारित कर दिया है।

जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश दुष्यंत सिंह व चार अन्य खिलाडियों की ओर से दायर याचिका का निपटारा करते हुए दिए। गौरतलब है कि अदालत की ओर से याचिका का निस्तारण करने के चलते पूर्व में ट्रायल पर लगी रोक भी हट गई है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं को पुन: ट्रायल से छूट के बिंदु पर किसी भी पक्ष ने आपत्ति दर्ज नहीं की। इस पर अदालत ने याचिका का निस्तारण करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं को पुन: ट्रायल की जरूरत नहीं है।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया था कि वॉलीबॉल के 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से उत्तराखंड में आयोजित हो रहे हैं। इसके लिए भारतीय ओलम्पिक संघ ने गत 20 दिसंबर को पत्र जारी कर अनिश व्यास की अध्यक्षता में बने राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन को इस प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन करने को कहा।

इसकी पालना में राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन ने याचिकाकर्ताओं सहित अन्य खिलाड़ियों का चयन कर 28 दिसंबर को चयन सूची जारी कर दी। इसके बाद भारतीय ओलम्पिक संघ ने तेजस्वी सिंह की अध्यक्षता वाले राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन को मान्यता दे दी।

याचिका में कहा गया कि अब यह एसोसिएशन नए सिरे से खिलाडियों का ट्रायल कर रही है। जबकि याचिकाकर्ताओं का पूर्व में चयन हो चुका है और उनकी कोचिंग चल रही हैं। दो एसोसिएशन के झगडे में याचिकाकर्ता खिलाडियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सभी पक्षों की सहमति से याचिकाकर्ताओं को पुन: ट्रायल देने की जरूरत नहीं बताई है।

विराट कोहली ने प्रेमानंदजी से पूछा-असफलता से कैसे निकलें

प्रेमानंद बोले- अभ्यास जारी रखें, जीत निश्चित

मथुरा, 10 जनवरी। विराट कोहली, पत्नी अनुष्का शर्मा और दोनों बच्चों के साथ शुक्रवार को मथुरा के प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे। यहां करीब आधे घंटे तक आध्यात्मिक चर्चा की। अनुष्का ने प्रेमानंद महाराज से भक्ति के लिए आशीर्वाद मांगा। इससे पहले 4 जनवरी, 2023 को दोनों प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे।

बातचीत के दौरान विराट ने पूछा, असफलता से कैसे निकलें। महाराज ने जवाब में कहा, अभ्यास जारी रखें, जीत निश्चित है। अपने अभ्यास को निरंतर और नियंत्रण में रखते हुए आगे बढ़ें। जैसे मेरे लिए नाम जप एक साधना है, वैसे ही विराट के लिए क्रिकेट ही साधना है। बस बीच-बीच में भगवान का नाम लेते रहें।

उन्होंने कहा, विजय के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है। एक अभ्यास और दूसरा प्रारब्ध। यदि प्रारब्ध नहीं है, सिर्फ अभ्यास है, तब जीत मुश्किल हो जाती है। इसके लिए प्रभु के ज्ञान के साथ-साथ उनका नाम जपना आवश्यक है।

प्रेमानंद महाराज ने विराट से पूछा- ठीक हो आप, मन प्रसन्न है।

अनुष्का ने पूछा- पिछली बार जब हम आए थे तो मन में कुछ सवाल थे, लेकिन मैं पूछ नहीं पाई। मैं आपसे मन ही मन बात कर रही थी। मेरे मन में जो सवाल थे, उसे कोई न कोई पूछ लेता था।

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग के कारण लेकर्स और हॉर्नेट्स का मैच हुआ स्थगित

लॉस एंजिल्स, 10 जनवरी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स प्रांत के जंगलों में लगी भीषड़ आग के कारण राष्ट्रीय बॉस्केटबॉल एसोसियेशन (एनबीए) ने लॉस एंजिल्स लेकर्स और शार्लोट हॉर्नेट्स के बीच शुक्रवार को होने वाले बॉस्केटबॉल मैच को स्थगित कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एनबीए ने कहा, पूरा एनबीए परिवार इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान लॉस एंजिल्स के समुदाय के लिए अपनी संवेदनाएँ और समर्थन व्यक्त करता है।एनबीए ने कहा कि मैच की पुर्ननिर्धारित तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी।

खेलो इंडिया महिला योगासन लीग में 7000 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा बक्करवाला 10 जनवरी (वार्ता) राष्ट्रीय अस्मिता खेलो इंडिया महिला योगासन लीग 2024-25 में पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। उत्तराखंड में होने वाले आगामी राष्ट्रीय खेलों से पहले बड़ी उम्मीदों के साथ राष्ट्रीय प्रतियोगिता संपन्न हुई।

आनंद धाम आश्रम, बक्करवाला, नांगलोई नजफगढ़ रोड पर पांच से सात जनवरी तक आयोजित लीग के अंतिम चरण में 270 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने एथलीटों को बधाई दी। उन्होंने भारत में योगासन के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए कहा कि 2026 एशियाई खेलों में इसे शामिल भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योगासन को अब 2026 एशियाई खेलों (जापान) में एक प्रदर्शनकारी खेल के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा उत्तराखंड में होने वाले आगामी 38वें राष्ट्रीय खेलों में भी इसे एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय लीग के लिए प्रतिभागियों ने पिछले वर्ष देशभर में आयोजित क्षेत्रीय चैंपियनशिप के माध्यम से अर्हता प्राप्त की। इसमें 7000 से अधिक महिला एथलीटों ने भाग लिया।

लीग में पांच श्रेणियां :- पारंपरिक योगासन, कलात्मक योगासन (एकल), कलात्मक योगासन (जोड़ी), लयबद्ध योगासन (जोड़ी) और कलात्मक योगासन (समूह) शामिल थीं।

नीरज चोपड़ा वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट: अमेरिका पत्रिका

नई दिल्ली, 10 जनवरी। अमेरिका की प्रतिष्ठित खेल पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने भारत के नीरज चोपड़ा को वर्ष 2024 का सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट चुना है।

27 वर्षीय भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीतने और पूरे सत्र में छह स्पर्धाओं में भाग लेते हुए दो बार शीर्ष पर और शेष चार में उपविजेता के रूप में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है।

नीरज चोपड़ा ने 2024 सत्र की शुरुआत मई में दोहा डायमंड लीग में 88.36 मीटर थ्रो के साथ की और वह चेकिया के जैकब वाडलेज के बाद दूसरे स्थान पर रहे। टोक्यो 2020 के स्वर्ण पदक विजेता ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स और भारत में नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता जीती। इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में 89.45 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम के 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड के बाद दूसरा स्थान हासिल किया।

लुसाने डायमंड लीग में चोपड़ा ने अपने करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ 89.49 मीटर थ्रो किया और ब्रुसेल्स में अपने सत्र का समापन किया। चोपड़ा दोनों प्रतियोगिताओं में पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे। ट्रैक एंड फील्ड न्यूज ने जैवलिन थ्रो में एंडरसन पीटर्स को दूसरे स्थान पर और पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम छठे स्थान पर रहे थे।

आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने पर प्रत्येक मैच में शतक जड़ सकते हैं पंत : अश्विन

नई दिल्ली, 10 जनवरी। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत अपने आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने में सफल रहते हैं तो वह प्रत्येक मैच में शतक बना सकते हैं। अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की पंत की क्षमता की सराहना करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके कई शॉट बहुत जोखिम वाले होते हैं। पंत ने हाल ही में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें मैच की पहली पारी में अपने रक्षात्मक खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए 40 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, "हमें उसे ठीक से बताना होगा कि अगर उसे ठोस बल्लेबाजी करनी है या किसी इरादे के साथ बल्लेबाजी करनी है तो उसे क्या करना है। उसने बहुत सारे रन नहीं बनाए हैं, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उसने रन नहीं बनाए हों। उसके पास अभी बहुत समय है।" उन्होंने कहा, "ऋषभ पंत को अभी तक भी अपनी पूरी क्षमता का अहसास नहीं हुआ है। उसके पास सभी तरह के शॉट हैं - रिवर्स स्वीप, स्लॉग स्वीप, सब कुछ - लेकिन समस्या यह है कि ये सभी शॉट बहुत जोखिम वाले हैं। अगर वह अपने रक्षात्मक खेल पर भी ध्यान दे और 200 गेंद का सामना करें तो वह हर मैच में बड़ा स्कोर बना सकता है।"

हाल ही में संन्यास लेने वाले अश्विन ने कहा, "मुख्य मसला संतुलन बनाने का है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है तो फिर प्रत्येक मैच में शतक बना सकता है। उसे बीच का रास्ता ढूंढना होगा।" पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन और उसके बाद दूसरी पारी में 33 गेंदों में 61 रन बनाए। अश्विन ने कहा, "पंत ने सिडनी टेस्ट में विपरीत अंदाज वाली दो पारियां खेली। उन्होंने पहली पारी में रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए 40 रन बनाए जिसकी कोई चर्चा नहीं हुई। यह सही नहीं है।"

इस ऑफ स्पिनर ने कहा,"दूसरी पारी में, उन्होंने जोरदार अर्धशतक बनाया, जिससे उन्हें काफी प्रशंसा मिली। हर कोई उस पहली पारी को भूल गया और दूसरी पारी के लिए उनकी प्रशंसा की।"

पंत की रक्षात्मक तकनीक के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा,"हमें इस पर गौर करना चाहिए कि ऋषभ पंत शायद ही कभी रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए आउट हुआ हो। उसके पास विश्व क्रिकेट की सबसे अच्छी रक्षात्मक तकनीक में से एक है।" उन्होंने कहा, " मैंने उसे नेट्स पर काफी गेंदबाजी की है, वह आउट नहीं हुआ। गेंद उसके बल्ले का किनारा लेकर नहीं जाती। वह एलबीडब्ल्यू नहीं होता। उसकी रक्षात्मक तकनीक बहुत अच्छी है और मैंने उसे यही बताने की कोशिश की है।

भारत वर्सेस इंग्लैंड टी20 और वनडे सीरीज का फुल शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, 10 जनवरी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 और तीन वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके लिए इंग्लैंड टीम भारत दौरे पर आने वाली है। सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी को पहले टी20 के साथ होगी। इंग्लैंड ने टी20 और वनडे, दोनों सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। जबकि अभी बीसीसीआई ने टीम इंडिया का ऐलान नहीं किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहले पांच टी20 मैच खेले जाएंगे। फिर तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी। टी20 सीरीज के मैच कोलकाता, चेन्नई, राजकोट, पुणे और मुंबई में खेले जाएंगे। वहीं वनडे मैच नागपुर, कटक और अहमदाबाद में होंगे। 22 जनवरी से 2 फरवरी के बीच टी20 सीरीज होगी, इसके बाद 6 फरवरी से 12 फरवरी के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी। टी20 सीरीज के मैच शाम सात बजे से शुरू होंगे। वनडे सीरीज के मैच दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे।

स्टीव स्मिथ को है 10 हजार टेस्ट रन पूरा न करने का मलाल

ऑस्ट्रेलिया, 10 जनवरी। स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान 10 हजार रन पूरा करने के करीब पहुंच गए थे। हालांकि, आखिरी मैच में वह सिर्फ एक रन से ये उपलब्धि हासिल करने से चूक गए। 10 हजार रन के करीब पहुंचे स्मिथ ने माना है कि एक रन से चूकने से उन्हें काफी तकलीफ हुई लेकिन उन्होंने कहा कि मैच और सीरीज में नतीजा अपने इच्छा के मुताबिक होना ज्यादा अहम था।

भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती मुकाबलों में स्मिथ के बल्ले से रन नहीं निकले थे। हालांकि, तीसरे और चौथे मैच में उन्होंने शतकीय पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया की वापसी में अहम भूमिका निभाई। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए आखिरी मैच के दौरान वह 10 हजार रन पूरा करने से सिर्फ एक रन से चूक गए थे। उन्हें आखिरी पारी में प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया। अगर ऐसा होता तो वह एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के बाद इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन जाते हैं।

स्टीव स्मिथ ने फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा कि, सब अच्छा है। अंत में हमें मनचाहा नतीजा मिला और यही हमें चाहिए था। एक रन से उस समय तकलीफ हुई थी, लेकिन सब अच्छा है। अच्छआ होता अगर मैं अपने होम ग्राउंड पर दोस्तों और परिवार के सामने वो एक रन बना लेता लेकिन उम्मीद है कि गाले में मैं वो एक रन बनाने में कामयाब हो जाऊंगा।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर रिफाइनरी कार्मिकों में उत्साह दिखा

श्रमिकों के साथ मुख्यमंत्री ने फोटो खिंचवाई

बालोतरा, 10 जनवरी (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बालोतरा जिले में पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण किया एवं समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार एवं रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस में बैठ कर रिफाइनरी के विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ड्यूल फीड क्रेकर यूनिट का अवलोकन किया। जिसमें बुर्ज खलीफा से भी अधिक कंक्रीट का उपयोग हुआ है। रिफाइनरी के एक तिहाई श्रमिक (लगभग नौ हजार) इसी यूनिट में काम करते हैं।**
- **भजनलाल शर्मा ने रिफाइनरी व इसके आस-पास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने रिफाइनरी परिसर में ग्रीन बेल्ट विकसित करने के लिये एच.आर.आर.एल. के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये।**

रिफाइनरी परिसर में मुख्यमंत्री ने हाईटेंशन मोटर के जरिए कम्प्रैस्ड एयर नाइट्रोजन प्लांट का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के समीप सांभरा ग्राम में एच.आर.आर.एल. द्वारा ईएससी फंड के माध्यम से बनाए जा रहे स्कूल एवं अस्पताल को शीघ्र शुरू किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में ड्यूल फीड क्रेकर यूनिट का अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इस यूनिट के निर्माण में बुर्ज खलीफा से अधिक कंकरीट का उपयोग हुआ है। यह रिफायनरी का सबसे बड़ा प्लांट भी है, जहाँ, रिफायनरी के एक तिहाई श्रमिक (लगभग 9 हजार) काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने कोक डोम और ट्रीटिंग यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान शर्मा ने श्रमिकों के साथ बातचीत की तथा उनके साथ फोटो खिंचवाई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पचपदरा में एच.पी.सी.एल. राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों के साथ बातचीत भी की।

मुख्यमंत्री ने परियोजना के निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि रिफायनरी और आस-पास के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को एक विशेषाधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए, जो कि 15 दिन में रिफाइनरी परियोजना के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए रिपोर्ट बनाए।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी के मॉडल का अवलोकन भी किया और रिफाइनरी परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक हमीर सिंह भायल, आदुराम मेघवाल, प्रियंका चौधरी, अरूण चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव खान एवं पैट्रोलियम टी. रविकांत, रीको प्रबन्ध निदेशक इन्द्रजीत सिंह, एच.आर.आर.एल. के निदेशक एस. भारतन, सीईओ कमलाकर आर विखर सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

'मस्जिद के समीप के कुएं पर यथास्थिति बनाए रखें'

- **सुप्रीम कोर्ट ने संभल की शाहीजामा मस्जिद के कुएं पर नगर पालिका के नोटिस के क्रियान्वयन पर रोक लगाई है।**

नयी दिल्ली, 10 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर, विवादित संभल मस्जिद के पास के कुएं का इस्तेमाल करने के लिए स्थानीय नगर पालिका की ओर से जारी सार्वजनिक नोटिस को 21 फरवरी, 2025 तक लागू नहीं करने और दो सप्ताह में स्थिति का विवरण पेश करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने संभल शाही जामा मस्जिद समिति की याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने संभल नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि वे पोस्टरों के माध्यम से जारी किए गए अपने सार्वजनिक नोटिस को लागू न करें, जिसमें शाही जामा मस्जिद के पास के कुएं को हरि मंदिर का कुआं बताया गया है तथा वह श्रद्धालुओं की पूजा व स्नान के लिए बनाया गया था।

शीर्ष अदालत के समक्ष राज्य सरकार ने कहा कि उस जगह के आसपास की स्थिति शांतिपूर्ण थी, लेकिन आवेदक ने मुद्दा बनाने की कोशिश की। इस पर मस्जिद समिति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कहा कि नगर पालिका द्वारा जारी किए गए नोटिस में स्नान के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कुएं को हरि मंदिर का कुआं कहा गया है।

पीठ ने कहा कि यदि दूसरा पक्ष भी कुएं का उपयोग करता है तो कोई नुकसान नहीं है। यूपी सरकार की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि कुआं सार्वजनिक जमीन पर है, पर मस्जिद कमेटी के वकील ने कहा कि कुएं का आधा हिस्सा अंदर और आधा बाहर है, लेकिन राज्य सरकार पक्षपातपूर्ण रुख अपना रही है।

पुणे कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत में अपील की थी। अदालत में 25000 रुपए के निजी मुचलके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जमानत दी है। कोर्ट ने राहुल गांधी को हिदायत दी है कि जब तक यह मामला चल रहा है,राहुल गांधी सावरकर पर कोई बयान न दें।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाए। याचिकाकर्ता ने कहा कि मातृ भाषा में शिक्षा मिलने के कारण सिर्फ बच्चों के साथ अन्याय हो रहा है, बल्कि राजस्थान अपनी संस्कृति भी खोता जा रहा है क्योंकि भाषा के लुप्त होने की वजह से हजारों सालों के अनुभव और समृद्ध संस्कृति का ह्रास होता है। याचिकाकर्ता की तरफ से वकील अभिषेक सिंघवी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा था।

दिल्ली के बाकी प्रत्याशी तय करने के लिए भाजपा की बैठक

- **मोदी, अमित शाह, राजनाथ व नड्डा भी बैठक में शामिल हुए।**

नयी दिल्ली, 10 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की शुक्रवार देर शाम यहां पार्टी मुख्यालय पर एक अहम बैठक बुलाई गयी, जिसमें बाकी उम्मीदवारों के नामों पर फैसला लिये जाने की उम्मीद है।

पार्टी दिल्ली की 70 विधान सभा सीटों में से 29 के लिए उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नयी विधान सभा के चुनाव की गजट अधिसूचना आज जारी हो चुकी है और नामांकन 17 जनवरी तक दाखिल किए जाएंगे। भाजपा सीईसी की बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में दिल्ली विधानसभा की बाकी बची सीटों के लिए उम्मीदवार तय किए जाएंगे। भाजपा द्वारा अब तक घोषित 29 प्रत्याशियों में बाहरी दिल्ली के पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा का भी नाम है। पार्टी ने वर्मा को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में उतारा है।

'ई-सिगरेट की बिक्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसे हैरानी हुई कि राजस्थान सरकार की क्राइम ब्रांच ने इन सवालों के जवाब देने के लिये कोई भी रिकॉर्ड बरकरार नहीं रखा है, इससे साबित होता है कि राज्य सरकार इससे बेपरवाह है।

अदालत ने कहा कि इस मामले में कई दस्तावेज रिकॉर्ड पर हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि राज्य सरकार को बार-बार कहा गया कि ई-सिगरेट रोकने के लिये कार्रवाही करें, लेकिन इसे रोकने के लिये केवल कागजी कार्रवाही की गई है। अदालत ने कहा कि कमिश्नरेट के 2022 में दायर शपथ पत्र से ये ही जाहिर होता है कि ई-सिगरेट की बिक्री रोकने के लिये विभाग कोई मैकेनिज्म बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पुलिस विभाग की अपनी सीमाएं हैं। अदालत ने कहा कि चूँकि शपथ पत्र दायर किये काफी समय हो गया है, उन्हें नया शपथ पत्र पेश करना होगा। अदालत ने कहा कि अगली तारीख पर जो अफसर ई-सिगरेट की बिक्री को मॉनिटर करने के लिये नियुक्त किये जायें, वे वी.सी. के जरिये अदालत में उपस्थित रहें। इस मामले में अगली तारीख 1 फरवरी 2025 तय की गई है।

अश्विन अब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, जिसमें कई लोगों ने अपनी जाने गंवाई। पुराने लोग याद करते हैं कि तब राज्य में कांग्रेस सरकार थी, हिंदी सम्बंधी फैसले ने राज्य में कांग्रेस को खलनायक बना दिया और उसके बाद द्रविड पार्टियां सत्तारुढ़ हुईं और तब से लेकर आज तक कांग्रेस अपने दम पर राज्य में पुन: सत्ता में नहीं आ पाई है।

कांग्रेस को राज्य में किसी न किसी द्रविड़ पार्टी के साथ गठबंधन करना ही पड़ता है, कभी द्रमुक से, तो कभी अन्नाद्रमुक से। फिलहाल दो दशक से कांग्रेस का द्रमुक से गठबंधन है।

अश्विन की टिप्पणी से तमिलनाडु में उनके प्रशंसक अवश्य बढ़ गए होंगे।

कड़ाके की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विलंबित हैं और 26 ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि भारतीय समयानुसार तड़के साढ़े चार बजे से पालम में दृश्यता शून्य है।

मौसम विभाग ने एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि होने का अनुमान जताया है।

इस बीच राज्य के अनेक इलाकों में कड़ाके की सर्दी जारी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 11 जनवरी को राज्य में कहीं कहीं बारिश होने की संभावना है।

ट्रम्प पहले अमरीकी राष्ट्रपति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुक्त होकर व्हाइट हाउस जा सकेंगे।

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप रहने के लिए मजबूर करने के अपराध में दोषी करार दिया गया था। ट्रंप एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति (वर्तमान या पूर्व) हैं, जिन्हें किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ट्रम्प की ओर से कार्यवाही को रोकने के अनुरोध को खारिज कर दिया गया था। इसी के साथ, मैनहट्टन में न्यूयॉर्क राज्य की अदालत में सजा सुनाने का रास्ता खुल गया था।

ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से पहले उन्हें सजा सुनाया जाना एक ऐसा आश्चर्यजनक विरोधाभास पैदा करता हैं, जिसका गवाह अमेरिका पहले नहीं है। कुछ ही दिनों में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की विशाल शक्तियां और देश के कानूनों और संविधान के अंतिम संरक्षक बनने वाले हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908